संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 26
पृष्ठ 8
रविवार
12 अक्टूबर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बिना वजह आवाज भारी लगना....

विचार- रक्षा और पशुकल्याण साथ चलें ...

खेल- बसपा के पूर्व विधायक और ...

भारत को कृषि उत्पादन में न केवल आत्मनिर्भर बनाना है बल्कि निर्यात क्षमता भी बढानी है-मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत को कृषि उत्पादन में न केवल आत्म निर्भर बनना है बल्कि वैश्विक बाजार के लिए उत्पादन भी करना है। श्री मोदी ने कहा, श्हमें आयात कम करना है और निर्यात बढ़ाना है।श श्री मोदी ने इस उद्देश्य की प्राप्ति में पीएम धन–धान्य कृषि योजना तथा दलहन आत्मनिर्भरता मिशन की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। वह नयी दिल्ली में पूसा स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर) में आयोजित विशेष कृषि कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम में उन्होंने कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में 42,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं और योजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और

लोकार्पण किया। इनमें 24,000 करोड़ रुपये के परिव्यय वाली प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना और 11,440 करोड़ रुपये का ष्दलहन में आत्मनिर्भरता मिशनष दो प्रमुख कार्यक्रम हैं। पीएम ध धान धान्य योजना का का उद्देश्य 100 जिलों में कृषि का कायाकल्प करना है। इसी तरह दलहन में आत्मनिर्भरता का मिशन दलहन खेती का रकबा बढ़ा कर और खरीद, प्रसंस्करण और वितरण जैसी मूल्य संवर्धन श्रृंखलाओं को मजबूत करके पूरा किया जाना है। कार्यक्रम को कृषि मंत्री शिवराज चौहान ने भी संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने कृषि उत्पादन में आत्म निर्भरता और निर्यात बढ़ाने के इन लक्ष्यों की प्राप्ति में पीएम धन–धान्य कृषि योजना तथा दलहन आत्मनिर्भरता मिशन की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि पीएम धन–धान्य योजना के लिए सौ जिलों का चयन तीन कसौटियों पर किया गया है। इसमें एक कसौटी खेती की पैदावार क्या है, दूसरी एक खेत में एक साल में खेती कितनी बार होती है तथा किसानों को कर्ज या निवेश की सुविधा कैसी है। उन्होंने कहा कि दलहन आत्मनिर्भरता मिशन सिर्फ दलहन उत्पादन बढ़ाने का कार्यक्रम नहीं है बल्कि हमारी भावी पीढ़ी को सशक्त बनाने का अभियान भी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि किसानों की आय बढ़े इसके लिए पशुपालन, मछली पालन , मधुमक्खी पालन पर बल दिया जा रहा है। इससे छोटे किसानों और भूमिहीन परिवारों को ताकत मिली है। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका और महत्वपूर्ण हो रही है जहां गावों में नमो ड्रोन दीदिया खाद और कीटनाशक छिड़काव के आधुनिक तरीकों का नेतृत्व कर रही हैं। मोदी ने कहा, अपने किसान, पशुपालक और मछुआरा भाई–बहनों के कल्याण के लिए हम दिन–रात मेहनत कर रहे हैं। इसी दिशा में आज दिल्ली से हजारों करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन–शिलान्यास मेरे लिए गर्व का क्षण है। हमने किसानों के हित में... बीज से लेकर बाजार तक सुधार किए हैं। प्रधान मंत्री ने पूसा के इसी मंच से देश भर में जगह जगह कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रों में 5,450 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की परियोजनाओं का उद्घाटन और राष्ट्र लोकार्पण किया। उन्होंने लगभग 815 करोड़ रुपये की अतिरिक्त परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी।

सीजेआई बोले-

डिजिटल दौर में बालिका सुरक्षा पर चिंता, विशेष कानून-प्रशिक्षण को जरूरी बताया

नई दिल्ली,एजेंसी। चीफ जस्टिस (सीजेआई) बीआर गवई ने डिजिटल युग में लड़कियों की सुरक्षा पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन उत्पीड़न, साइबर हमलों, डिजिटल माध्यम से पीछा करने, व्यक्तिगत डाटा के दुरुपयोग और डीपफेक तस्वीरों जैसी समस्याओं के कारण लड़कियां गंभीर रूप से असुरक्षित हैं। उन्होंने कानून एवं प्रवर्तन एजेंसियों और नीति निर्धारकों के लिए विशेष कानून और प्रशिक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया। सीजेआई श्बालिकाओं की सुरक्षारू भारत में उसके लिए एक सुरक्षित और सक्षम वातावरण की ओरश विषय पर आयोजित राष्ट्रीय वार्षिक हितधारक परामर्श बैठक को संबोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम सुप्रीम कोर्ट की किशोर

न्याय समिति (जेजेसी) के तत्वावधान में यूनिसेफ इंडिया के सहयोग से आयोजित किया गया था। उन्होंने कहा कि संविधान और कानूनी संरक्षण के बावजूद देश की कई बालिकाओं को अब भी दुर्भाग्य से उनके मौलिक अधिकारों और यहां तक कि जीवित रहने के लिए जरूरी बुनियादी जरूरतों से वंचित रखा जाता है। यह असुरक्षा उन्हें यौन शोषण, उत्पीड़न और अन्य हानिकारक प्रथाओं जैसे कि महिलाओं के शरीर के अंगों को चोट पहुंचाना, कुपोषण, लिंग का चयन कर गर्भपात, तस्करी और उनकी मर्जी के खिलाफ बाल विवाह के अधिक जोखिम में डाल देती है। जस्टिस गवई ने आगे कहा, उनकी (बालिकाओं) सुरक्षा केवल उसके शरीर की रक्षा करना नहीं है, बल्कि उनकी आत्मा को आजाद करना भी है। एक ऐसा समाज बनाना है जहां वह गरिमा के साथ सिर ऊंचा करके खड़ी हो सके और जहां उसकी आकांक्षाएं शिक्षा और समानता से पोषित हों. .. हमें उन गहरी जड़ें जमा चुकी पितृसत्तात्मक रीति–रिवाजों का सामना करना होगा और उन्हें दूर करना होगा।

सीएम ने भदोही में कालीन मेले का किया उद्घाटन...बोले-

निर्यातकों के साथ है सरकार

भदोही,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ज्ञानपुर में चौथे कालीन मेला का उद्घाटन किया। वे तय समय से लगभग 20 मिनट देरी से पहुंचे। ज्ञानपुर जिले में शनिवार को अंतराष्ट्रीय कालीन मेले का शुभारंभ करने पहुंचे मुख्यमंत्री योगी की सुरक्षा व्यवस्था तगड़ी की गई है। अभयनपुर से लेकर मेगा मार्ट तक सिर्फ चिन्हित लोग ही सीएम के कार्यक्रम तक पहुंचे। आज 1200 से अधिक सुरक्षाकर्मी की तैनाती की गई है। जिले में होने वाले में चौथे अंतरराष्ट्रीय कालीन मेला का उद्घाटन करने आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ में अमेरिकी टैरिफ से उत्पन्न परिस्थितियों को लेकर निर्यातकों को आवश्य किया। बताया कि सरकार अमेरिकी टैरिफ से उत्पन्न हुई परिस्थितियों से निकालने के लिए अन्य वैकल्पिक रास्ते तलाश रही है। जिसमें विश्व के कई देशों के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट के माध्यम से उद्योग की नई संभावनाओं को तलाशने की बात कही। कार्यक्रम में अमेरिकी टैरिफ की चुनौतियों को लेकर बेल आउट पैकेज की आस

लगाए निर्यातकों को निराश होना पड़ा। सीएम फिलहाल किसी भी तरह के बेल आउट पैकेज की घोषणा नहीं की। हालांकि यह जरूर कहा गया कि केंद्र और प्रदेश सरकार निर्यातकों को इस मझधार से निकालने के लिए कई बिंदुओं पर काम कर रही है। मुख्यमंत्री कहा कि लाखों लोगों को रोजगार उपलब्धा कराने वाले इस उद्योग की बेहतरी को लेकर तमाम प्रयास हो रहा है। जिसमें ओडीओपी में कालीन को शामिल कर इससे जुड़े लोगों को प्रोत्साहित किया है। यहां हैंडमेड कारपेट यहां की ताकत है। इस कालीन मेला से उद्यमियों को नया प्लेटफॉर्म उपलब्ध होगा। कहा कि जीएसटी की दरों में कटौती से इस उद्योग का सीधा फायदा हुआ है। जिसमें 12 से 18 फीसदी तक जीएसटी के स्लैब में रहे रॉ मैटीरियल अब पांच फीसदी में आ गया है। भारत सरकार यूएई और यूके के साथ एफटीए अब अंतिम चरण में है। उन्होंने जल्द ही काशी नरेश राजकीय महाविद्यालय को जल्द ही विश्वविद्यालय का दर्जा दिए जाने की बात कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 11 वर्ष पहले कार्पेट उद्योग बंदी के कगार पर था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भदोही, मीरजापुर और वाराणसी के कार्पेट क्लस्टर को नई ऊर्जा मिली। भदोही को केंद्र बनाकर कार्पेट एक्सपो मार्ट की स्थापना की गई। जब पहला एक्सपो हुआ था, तब विदेशी खरीदारों की संख्या बहुत कम थी, लेकिन आज 88 देशों से तीन से चार सौ फॉरेन बायर्स यहां आ रहे हैं।

शरणार्थियों और घुसपैठियों के बीच का अंतर बताते हुए अमित शाह ने पूछा-

असम, बंगाल में ही क्यों बढ़ रहे मुस्लिम

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का ताजा भाषण 'घुसपैठ, जनसांख्यिकीय परिवर्तन और लोकतंत्र' के विषय पर न केवल राजनीतिक विमर्श में नया मोड़ ला रहा है, बल्कि इसके सामरिक और भूराजनीतिक आयाम भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। अमित शाह ने अपने भाषण में स्पष्ट किया कि घुसपैठ कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा है। उन्होंने इस खतरे को केवल सीमा सुरक्षा का सवाल नहीं बल्कि राज्य और केंद्र दोनों की जिम्मेदारी के रूप में प्रस्तुत किया, जिससे यह संकेत मिलता है कि भारत की सीमा नीति में सहयोग और समन्वय की आवश्यकता है।

अमित शाह ने विशेष रूप से कहा कि कुछ राजनीतिक दल घुसपैठियों को वोट बैंक के रूप में देखते हैं और यही कारण है कि कुछ राज्यों में अवैध प्रवासियों को संरक्षण मिलता है। यह ओर भी इशारा करता है। उनके द्वारा दिए गए आंकड़े, जैसे असम में मुस्लिम जनसंख्या की दशकीय वृद्धि दर 29.6 प्रतिशत और पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती जिलों में 70 प्रतिशत तक का उछाल, घुसपैठ और जनसांख्यिकीय परिवर्तन के प्रति गंभीर चेतावनी हैं। यह आंकड़े राजनीतिक विमर्श के साथ–साथ राष्ट्रीय सुरक्षा नीति के निर्माण में भी निर्णायक भूमिका निभाते हैं।

इसके अलावा, भूराजनीतिक दृष्टि से अमित शाह ने यह सवाल उठाया कि गुजरात और राजस्थान की सीमाओं पर घुसपैठ क्यों नहीं होती, जबकि पूर्वी सीमाओं पर यह बढ़ रही है। यह सीधे तौर पर सीमा प्रबंधान और पड़ोसी देशोंकृ विशेषकर बांग्लादेश और पाकिस्तान, के साथ भारत की सुरक्षा रणनीति की जटिलताओं को उजागर करता है। भाषण में झारखंड के जनजातीय समुदायों की गिरावट का उल्लेख, घुसपैठ को केवल

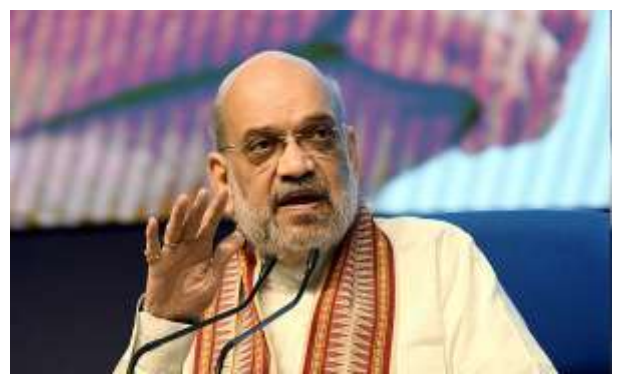

आर्थिक या राजनीतिक मुद्दा नहीं बल्कि सामाजिक संरचना पर भी असर डालने वाला कारक बताया गया है।

उद्धव बोले- किसानों के साथ सबसे क्रूर मजाक, एकनाथ शिंदे बोले- घड़ियाली आंसू..

मुंबई,एजेंसी। महाराष्ट्र में हाल ही में आई भारी बारिश और बाढ़ के कारण किसानों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा। ऐसे में अब राज्य सरकार द्वारा घोषित राहत पैकेज पर सियासत में गर्माहट सातवें आसमान पर पहुंच गई है। एक ओर जहां शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने राज्य सरकार के मुआवजे को श्इतिहास का सबसे बड़ा मजाकश बताया है। तो वहीं दूसरी ओर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे पर पलटवार करते हुए उनकी संभाजीनगर में हुई रैली और बयान को घड़ियाली आंसुओं का तमाशा करार दिया। संभाजीनगर में एक रैली को संबोधित करते हुए शिवसेना

(यूबीटी) प्रमुख ने राज्य सरकार पर किसानों के मुआवजे को लेकर जमकर निशाना साधा। उन्होंने राज्य सरकार के मुआवजे को श्इतिहास का सबसे बड़ा मजाकश बताते हुए कहा कि अगर सरकार ने किसानों के लिए पूर्ण कर्जमाफी की घोषणा नहीं की, तो किसान सड़कों पर उतरेंगे। इस दौरान ठाकरे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधा। उन्होंने पीएम मोदी के हाल ही में किए गए महाराष्ट्र दौरे का जिक्र करते हुए कहा कि वे हाल ही में महाराष्ट्र आए लेकिन किसानों के मुद्दे पर एक शब्द नहीं बोले। उन्होंने सवाल उठाया कि जब किसानों की जिंदगी उजड़ गई है, तब सरकार में बैठे लोग चुप क्यों हैं। वहीं बयानबाजी का बाजार ज्यादा गर्म तब हो गया जब उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे उद्धव ठाकरे के संभाजीनगर रैली में दिए गए बयानों को लेकर आड़ेहाथ लिया। शिंदे ने उद्धव ठाकरे पर पलटवार करते हुए उनकी रैली को घड़ियाली आंसुओं का तमाशा करार दिया।

शिंदे ने कहा कि ठाकरे सत्ता से बाहर होने के बाद किसानों के दर्द का दिखावा कर रहे हैं। शिंदे ने कहा कि जब खेत, घर और मवेशी सब बर्बाद हो गए, तब महायुति सरकार ने पूरे राज्य में दौरा किया और तय किया कि एनडीआरएफ के नियमों के बावजूद किसानों को तुरंत राहत दी जाएगी।

किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म और धर्मांतरण मामले में महिला सहित तीन गिरफ्तार

प्रयागराज। घूरपुर क्षेत्र में एक वर्ष से किशोरी को कैद कर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म और जबरन धर्म परिवर्तन मामले में घूरपुर पुलिस ने महिला समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।घटना को लेकर किशोरी के गांव में आक्रोश है। बता दें कि क्षेत्र की चौदह वर्षीय किशोरी और उसके छोटे भाई को रोजगार दिलाने के नाम पर एक वर्ष पूर्व पड़ोसी गांव उभारी निवासी आलम अपने साथ ले गया। दोनों से एक होटल में काम करवाने लगा। कुछ दिनों बाद किशोरी को अपने घर पर रख लिया जहां उसे अमानवीय यातनाएं दी जातीं। दो दिन पूर्व किशोरी भागकर अपने गांव पहुंची और लोगों से बताया कि उसके साथ कई लोग मिलकर काफी दिनों से दुराचार कर रहे हैं।

पीड़िता ने बताया कि जब वह बेहोश हो जाती तो उसे नशीला पदार्थ पिला देते थे और कोई इंजेक्शन लगाकर हैवानियत करते थे। इससे लोगों में आक्रोश फैल गया। जानकारी विश्व हिंदू परिषद सहित अन्य संगठनों को हुई तो पीड़िता को लेकर घूरपुर थाने पहुंचे। थाने में पीड़िता के रिश्तेदार की शिकायत पर आलम, मुमताज आलम, आतिफ सहित पांच अज्ञात के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म और धर्मांतरण सहित कई संगीन धाराओं में घूरपुर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया। पुलिस ने शुक्रवार सुबह मुख्य आरोपी आलम और उसकी पत्नी रहनुमा बानो व मुमताज को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

जल चक्र हुआ असंतुलित

प्रयागराज। सीएमपी डिग्री कॉलेज के रसायन विज्ञान विभाग की ओर से संचालित 'वाटर क्वालिटी मैनेजमेंट कोर्स के तहत जल संरक्षण पर पोस्टर प्रतियोगिता और काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि प्रो. अर्चना पांडेय ने कहा कि वर्षा जल अमृत समान है, इसे सहेजना सबका दायित्व है। डॉ. प्रमोद शर्मा ने कहा कि जल की एक बूंद भी कम नहीं हुई है, बस जल चक्र असंतुलित हुआ है, और हमें अपने व्यवहार में बदलाव लाने की जरूरत है। इस अवसर पर प्रो. संतोष श्रीवास्तव, डॉ. डीके साहू आदि मौजूद रहे।

स्वदेशी सेवा संस्थान के संचालक का अपहरण कर मारपीट

प्रयागराज। सलोरी निवासी स्वदेशी सेवा संस्थान के संचालक सचिन सिंह का अपहरण कर उनसे मारपीट का मामला प्रकाश में आया है। उन्होंने मामले की शिकायत कर्नलगंज पुलिस से की है। सचिन के आरोपों के मुताबिक शिवा सिंह सरकार, देव श्रीवास्तव, अक्षय और उनके दो साथियों ने शुक्रवार देर रात उनका अपहरण कर गुप्त स्थान पर ले गए। उन्हें बेल्ट से पीटा और और पिस्टल दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। आरोपियों ने उन्हें सलोरी छोड़कर चले जाने के लिए धमकाया भी। सचिन का यह भी आरोप है कि आरोपी उनके एनजीओ में आकर छात्राओं को परेशान करते हैं। सचिन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से भी जुड़े हैं।

पोस्टर प्रतियोगिता में दिनेश अव्वल

प्रयागराज। सीएमपी डिग्री कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग एवं सेंटर फॉर हैप्पीनेस एंड वेल–बीइंग की ओर से संयुक्त रूप से आयोजित विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया गया। चेयरपर्सन चौधरी राघवेंद्र नाथ सिंह ने फीता काटकर कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे ने छात्रों को मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता के लिए प्रेरित किया। 'अंधेरे में आशा विषय पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में दिनेश पाठक प्रथम, प्रिया मोदनवाल द्वितीय एवं दीक्षा राठौर तृतीय रहीं। इस अवसर पर डॉ. रुचिका वर्मा, प्रो. अमिता पांडेय आदि मौजूद रहीं।

ईश्वर शरण डिग्री कालेज में दिखी 'लघु भारत की झलक

प्रयागराज। ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज में सत्र 2025–26 के लिए स्नातक प्रवेश प्रक्रिया अगस्त में सफलतापूर्वक संपन्न हो गई थी। एक सितंबर से कक्षाओं का संचालन भी आरंभ हो चुका है। कॉलेज में कला, वाणिज्य, विज्ञान, बीवोक एवं बीएएलएलबी ऑनर्स में स्नातक कक्षाएं संचालित हैं। इस वर्ष कॉलेज में सीयूईटी उत्तीर्ण एवं नॉन–सीयूईटी छात्रों ने प्रवेश लिया। विज्ञान, वाणिज्य, बीवोक और विधि संकाय में अनुमन्य सीटों के सापेक्ष लगभग 100 प्रतिशत छात्रों ने प्रवेश लिया, जबकि कला संकाय में प्रवेश दर लगभग 80 प्रतिशत रही। सत्र 2025–26 से एनईपी–2020 के तहत छात्रों को मेजर, माइनर विषयों के साथ–साथ लगभग 30 एड–ऑन कोर्सेज में भी अपनी रुचि के अनुसार विषय चुनने का अवसर प्राप्त हुआ। महाविद्यालय प्रशासन हर स्तर पर छात्रों को उनके सर्वांगीण विकास के लिए तैयार करने के प्रति कटिबद्ध है। प्राचार्य प्रो. आनंद शंकर सिंह ने कहा कि स्नातक कक्षाओं में नवप्रवेशित छात्रों के रूप में लगभग संपूर्ण भारत का प्रतिनिधित्व देखने को मिला, जो छात्रों के बीच अंतर्सांस्कृतिक एवं सामाजिक समझ विकसित करने में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। इन राज्यों के छात्रों ने लिया प्रवेश दिल्ली, मध्य प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़ और बिहार जैसे मध्य भारत के राज्य, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, तेलंगाना और ओडिशा जैसे दक्षिण भारत के राज्य, असम, नागालैंड, सिक्किम, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल जैसे पूर्वी भारत एवं सुदूर उत्तर–पूर्व के राज्य, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा जैसे उत्तर भारत के राज्य, साथ ही गुजरात, महाराष्ट्र, पंजाब एवं राजस्थान जैसे पश्चिम भारत के राज्यों के छात्रों ने लिया प्रवेश।

बीएससी के मेजर विषयों में होंगे तीन-तीन प्रश्न पत्र

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत वर्तमान शैक्षिक सत्र से स्नातक पाठ्यक्रम तीन के स्थान पर चार साल का कर दिया गया है। इस वजह से परीक्षा व्यवस्था में व्यापक बदलाव किए गए हैं। स्नातक के सभी पाठ्यक्रमों को छह वर्गों में विभाजित किया गया है। विज्ञान वर्ग में इस वर्ग में बायोकेमिस्ट्री, बॉटनी, केमिस्ट्री, कम्प्यूटर साइंस, फिजिक्स, जूलॉजी, इनवार्यमेंट साइंस को शामिल किया गया है। किसी छात्र ने इन विषयों को मेजर (मुख्य) विषय के तौर पर चयनित किया है तो उसे 105 अंकों की लिखित परीक्षा देनी होगी। 35–35 अंक के तीन प्रश्न पत्र होंगे, जिसकी अवधि तीन घंटे होगी। लघु, मध्यम और विश्लेषणात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। इन विषयों को माइनर के तौर पर लेने वालों को 60 अंकों की ओएमआर आधारित परीक्षा देनी होगी। निगेटिव मार्किंग नहीं की जाएगी।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी बढ़ रहे डेंगू के मरीज

प्रयागराज। जिले में डेंगू के मरीजों की संख्या निरंतर बढ़ रही है। शुक्रवार को जिले में एक नया मरीज कौड़िहार में मिला है। जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. आनंद सिंह के अनुसार, जिले में डेंगू के मरीजों की संख्या बढ़कर 51 हो गई है। सात मरीजों का इलाज चल रहा है। कौड़िहार में अब तक डेंगू के तीन मरीज मिल चुके हैं, जो कि ग्रामीण क्षेत्रों में मिले डेंगू के मरीजों में सबसे ज्यादा है।

पांच दिन से लापता नवविवाहिता का शव नदी में उतराया मिला, हत्या की आशंका

प्रयागराज। पांच दिन से लापता नवविवाहिता का शव ससुरखदेरी नदी के नाले में पड़ा मिला। शव पूरी तरह से सड़ चुका था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों ने हत्या की आशंका जाहिर की है। वह पांच दिन पहले पति के साथ मेला देखने के लिए झलवा गई थी। वहीं से वह लापता हो गई थी।

एयरपोर्ट कोतवाली के गांजा गांव स्थित ससुर खदेरी नदी से जुड़े नाले में शनिवार दोपहर लापता नवविवाहिता का सड़ा गला शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान गौसपुर कटहुला के मजरा फुलवारी बाग निवासी किशन लाल की बेटी रविता (20) के रूप में हुई है।

सूचना पाकर डॉग स्क्वॉयड के साथ आई पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों ने बेटी की हत्या की आशंका जताई है।

गौसपुर कटहुला गांव के मजरा फुलवारी बाग निवासी किशन लाल मजदूरी कर गुजारा करते हैं। परिजनों के मुताबिक रविता की दो बड़ी बहनों की शादी हो चुकी है। रविता सबसे छोटी बेटी थी। एक माह पहले सात सितंबर को उसने पीपल

गांव के फतेहपुर मोहल्ला निवासी राकेश कुमार से कोर्ट मैरिज किया था। इस रिश्ते से ससुराल पक्ष के लोग खुश नहीं थे।

बड़ी बहन ने बताया कि कोर्ट मैरिज के बाद रविता अपने पति के साथ उसके घर पिपरी कोतवाली के कमालपुर बरेठी आई थी। कुछ दिनों तक रहने के बाद वह ससुराल लौट गई। पांच अक्तूबर को रविता अपने पति राकेश के साथ प्रयागराज के झलवा में मेला घूमने गई थी। इसी दौरान संदिग्ध परिस्थितियों में वह लापता हो गई। पति राकेश ने घर लौटकर रविता की मां कुंती देवी को घटना की जानकारी दी। बेटी के लापता होने की जानकारी पाकर परिजनों में हड़कंप मच गया। झलवा में मेला देखने के दौरान हुई थी लापता

परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, सुराग न लगने पर अगले दिन सुबह पुलिस को तहरीर देकर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पांच दिन बाद शनिवार दोपहर गांजा गांव के बाहर चरवाहों ने नाले में सड़ा गला शव देखा तो उनके होश उड़ गए। उसकी कटी उंगली देखकर परिजनों ने शव की शिनाख्त की। थोड़ी ही देर में शव मिलने की सूचना पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस और डॉग स्क्वायड टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने खोजी कुत्ते की मदद से घटनास्थल का निरीक्षण कर सैंपलिंग के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बेटी की मौत से परिजन रो–रोकर बेहाल है।

इस संबंध में थानाध्यक्ष विनय कुमार सिंह ने बताया कि फिलहाल अभी तक परिजनों ने तहरीर नहीं दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर घटना की जांच की जा रही है। ससुराल पक्ष को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया है।

बच्चों को स्कूल ले जा रही वैन पलटी, कई बच्चे घायल, शंकरगढ़ से सटे रीवा जिले में हुआ हादसा

प्रयागराज। शंकरगढ़ इलाके के एक स्कूल की वैन मध्य प्रदेश के जनेह इलाके में पलट गई। हादसे में करीब आठ बच्चे घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब वैन बच्चों को लेकर शंकरगढ़ स्थित स्कूल पर आ रही थी।

शंकरगढ़ नगर पंचायत क्षेत्र में संचालित एक विद्यालय की स्कूल वैन अनियंत्रित होकर पलट गई। वैन में बैठे स्कूली बच्चे घायल हो गए। घायल बच्चों को उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच गई। घायल बच्चों का आरोप है कि चालक नशे में था और लापरवाही के साथ काफी तेज गाड़ी चला रहा था। जिसके कारण हादसा हुआ है।

नगर पंचायत अंतर्गत सनचलि एक निजी विद्यालय की स्कूल वैन सुबह बच्चों को लेकर मध्य प्रदेश के जनेह थाना अंतर्गत गोंद कला से चली और पटहट गांव के पास अनियंत्रित होकर पलट गई। वैन में सवार कक्षा आठ की छात्रा प्रतीक्षा तिवारी (14) पुत्री प्रदीप तिवारी निवासी खटखरी, कक्षा नौ के छात्र प्रशांत मिश्रा (15) पुत्र आशीष मिश्र, छोटा भाई विराट मिश्र (12) कक्षा छह निवासी पथरीगढ़, निधी पांडेय पुत्री भीम पांडेय (14)

कक्षा आठ, भाई नमन पांडेय (17) कक्षा सात, शिवा पांडेय पुत्र पिंटू पांडेय (14) साहस ठाकुरिया (16) कक्षा 10, ओम सिंह पुत्र महेश सिंह निवासी गोंद कला थाना जनेह रीवा, मध्य प्रदेश घायल हो गए।

घायलों का इलाज शंकरगढ़ के अलग अलग निजी अस्पताल में चल रहा है। प्रतीक्षा तिवारी के सिर में चोट लगने के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है तथा ओम सिंह का दाहिना हाथ टूट गया है, जो नगर के अन्य अस्पताल में भर्ती हैं। अन्य घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया है। घायल बच्चों ने आरोप लगाया कि वैन चालक लापरवाही पूर्वक और तेज गति से गाड़ी चला रहा था। इसके कारण वैन असंतुलित होकर पटरी पर उतर गई।

मौजूद ग्रामीणों ने बताया कि स्कूल वैन में गैस किट भी लगी थी। गनीमत रही कि वह फटी नहीं, यदि गैस किट फट जाती तो बड़ा धमाका होता, जिससे बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। थाना प्रभारी यशपाल सिंह ने बताया कि घटनास्थल मध्य प्रदेश के थाना जानेह अंतर्गत पड़ता है, जो हमारे कार्य क्षेत्र के बाहर है। थाना क्षेत्र में एक अभियान चलाया जाएगा जिसपर ऐसे गैस किट लगाकर चल रहे स्कूल वाहनों पर विशेष कार्रवाई की जाएगी।

शृंग्वेरपुरधाम कलश यात्रा लेकर पहुंचे राजन महाराज, उमड़ा जन सैलाब, हेलिकॉप्टर से की गई पुष्पवर्षा

प्रयागराज। शृंग्वेरपुरधाम कलश यात्रा लेकर पहुंचे अंतरराष्ट्रीय कथा वाचक राजन महाराज के दर्शन के लिए भारी हुजूम उमड़ पड़ा। राजन महाराज ने विधि विधान से गंगा पूजन किया और फिर करीब पंद्रह मिनट तक नौकायन कर स्थानीय धर्मस्थली के बारे में बातचीत करते रहे।

शृंग्वेरपुरधाम कलश यात्रा लेकर पहुंचे अंतरराष्ट्रीय कथा वाचक राजन महाराज के दर्शन के लिए भारी हुजूम उमड़ पड़ा।

राजन महाराज ने विधि विधान से गंगा पूजन किया और फिर करीब पंद्रह मिनट तक नौकायन कर स्थानीय धर्मस्थली के बारे में बातचीत करते रहे। इस बीच वह नौकायन के बाद मां शांता शृंगी ऋषि मंदिर जाकर दर्शन पूजन किया। धाम में वह करीब सवा घंटे तक रहे।

बताते चलें कि शृंग्वेरपुरधाम क्षेत्र से लगे हथिगवां थाना क्षेत्र के परानूपुर में राजन जी महाराज शनिवार से नौ दिवसीय श्रीराम कथा सुनाएंगे। इसके पूर्व भव्य कलश यात्रा लेकर शुक्रवार को हजारों श्रद्धालुओं का हुजूम पहुंचा।

कलश यात्रा में करीब तीन सौ चार पहिया वाहन तो हजारों की संख्या में दो पहिया वाहन भी शामिल हुए। धाम में कलश यात्रा ठीक साढ़े बारह बजे पहुंची। इधर आयोजक आनंद पांडेय की तरफ से हेलिकॉप्टर से श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा कराई गई।

इस मौके पर राघव दास महाराज, निर्मल बाबा, मानस बाबा, भाजपा नेता विनोद ओझा,

राजमणि शास्त्री, कृष्णचंद्र पाण्डेय, डॉ भृगु कुमार मिश्र, मनीष द्विवेदी, श्याम शर्मा समेत अनेक गणमान्य लोग शामिल रहे।

राजन जी महाराज ने बालक राम श्रीश बाहुबली महाराज के पखारे पांव

राजन जी महाराज ने भगवती गंगा का पूजन आरती के साथ भगवान राम के बाल स्वरूप पांच वर्षीय बालक राम श्रीश बाहुबली महाराज के चरण को पखारे।

राजन जी महाराज ने कहा कि शृंग्वेरपुरधाम में केवट भैया ने भगवान राम के चरणों को पखार कर अपना जीवन धन्य किया था। परम सौभाग्य है ऐसी पावन भूमि को नमन करने का अवसर मिला। बालक राम ने राजन जी महाराज को चौपाई एवं शिव तांडव सुनाया।

तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष अरुण द्विवेदी ने गंगा पूजन कार्यक्रम का संचालन किया। शृंग्वेरपुर महोत्सव के अध्यक्ष संजय तिवारी ने सभी भक्तजनों का आभार व्यक्त करते हुए दिव्य राम कथा में शामिल होने की अपील की।

राजन महाराज को धाम में 36वें राष्ट्रीय रामायण मेले का सौंपा आमंत्रण

शृंग्वेरपुरधाम के आयोजित होने वाले पांच दिवसीय 36वें राष्ट्रीय रामायण मेले के लिए राजन महाराज को आमंत्रण पत्र दिया गया। समिति के महामंत्री उमेश चंद्र द्विवेदी ने राजन जी महाराज को धाम की स्मारिका एवं अंगवस्त्रम भेंट करते हुए शामिल होने का निवेदन किया।

बायो सीएनजी से पहले चलेंगे 1000 वाहन

प्रयागराज। अरैल स्थित प्लांट में कचरे से बनने वाली बायो सीएनजी एक हजार वाहनों के ईंधन की मांग पूरी करेगी। प्लांट में बन रही बायो सीएनजी का अब व्यावसायिक उपयोग होगा। इसी महीने के मध्य से इंडियन ऑयल और अडाणी गैस पाइप लाइन लिमिटेड को सीएनजी देने की तैयारी हो रही है। यहां से फिलिंग स्टेशनों के जरिए बायो सीएनजी वाहनों को दिया जाएगा। कचरे से बायो सीएनजी बनाने वाले प्रदेश के पहले और देश के दूसरे प्लांट में जुलाई के मध्य से 12 टन गीले कूड़े के साथ उत्पादन शुरू हो गया। अभी प्लांट में बन रही बायो सीएनजी हवा में उड़ाई जा रही है। अब नगर निगम से प्रतिदिन लगभग 100 टन कूड़ा मिलने से प्लांट में लगभग पांच टन बायो सीएनजी बन रही है। प्लांट से गैस सिलेंडर के जरिए फिलिंग स्टेशनों में भेजी जाएगी। प्लांट के यूनिट हेड हिमांशु श्रीवास्तव ने आपके अपने अखबार 'हिन्दुस्तान को बताया कि पांच टन बायो सीएनजी एक हजार वाहनों में ईंधन के रूप में इस्तेमाल होगी। पहले चरण में सिर्फ वाहनों को बायो सीएनजी दिया जाएगा। प्लांट में पूरी क्षमता के साथ उत्पादन शुरू होने पर नैनी व आसपास घरों को भी कूकिंग गैस के तौर पर सप्लाई की जाएगी। घरों में गैस सप्लाई के लिए पाइप लाइन बिछाई जाएगी। यह है बायो सीएनजी उपयोग योजना – प्लांट में प्रथम चरण में पांच टन तक बनाई जाएगी बायो सीएनजी। – गीले कूड़े की उपलब्धता बढ़ने पर बायो सीएनजी का उत्पादन भी बढ़ेगा। – 320 टन कूड़ा मिलने पर प्लांट में 20 टन तक बायो सीएनजी बन सकेगी। – 20 टन बायो सीएनजी का 40 हजार घरों में बायो सीएनजी का उपयोग होगा। – कूकिंग के साथ तीन हजार वाहनों में बायो सीएनजी का उपयोग हो सकेगा। तकनीकी गड़बड़ी से सप्लाई टाली गई अरैल स्थति बायो सीएनजी प्लांट से वाहनों के लिए बायो सीएनजी दो अक्तूबर से शुरू करने की तैयारी थी। निर्धारित तारीख के पहले प्लांट के एक बैलून में लीकेज के चलते उत्पादन प्रभावित हो गया। इसकी वजह से गैस की सप्लाई टाल दी गई गई। प्लांट के यूनिट हेड हिमांशु श्रीवास्तव बताते हैं कि अब प्लांट पूरी तरह ठीक है। इसी महीने वाहनों के लिए बायो सीएनजी की सप्लाई शुरू होगी।

बदलती जीवन शैली में मानसिक बीमारी : डॉ. सुमन

प्रयागराज। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर कॉल्विन अस्पताल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सुमन कुमार चौधरी ने कहा कि बदलती जीवन शैली में मानिसक बीमारियां भी बढ़ रही हैं। इसकी रोकथाम के लिए अधिक से अधिक लोगों को जागरूक किया जाना जरूरी है। पूर्व अधीक्षक डॉ. माया देवी ने कविता के माध्यम से मानसिक विकारों को रेखांकित किया। मनोचिकित्सक डॉ. राकेश पासवान ने कहा कि मानसिक बीमारी के लक्षण दिखते ही डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए, किसी अंधविश्वास में नहीं पड़ना चाहिए। इस मौके पर डॉ. एके दुबे, परामर्शदाता जयशंकर ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

पीसीएस प्री की सोशल मीडिया पर निगरानी शुरू

प्रयागराज। रविवार को प्रस्तावित पीसीएस और एसीएफ/आरएफओ 2025 की प्रारंभिक परीक्षा को लेकर अफवाह रोकने या किसी प्रकार की गैरजरूरी गतिविधि पर लगाम के लिए उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने शनिवार से ही सोशल मीडिया पर निगरानी शुरू कर दी है। सोशल मीडिया की निगरानी के लिए बकायदा नोडल अधिकारी और सहायक पर्यवेक्षक की तैनाती की गई है। परीक्षा के एक दिन पहले केंद्रों पर व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए समन्वयी पर्यवेक्षक, अतिरिक्त पर्यवेक्षक, केंद्र व्यवस्थापक, आयोग की ओर से नियुक्त सहायक पर्यवेक्षक और स्टैटिक मजिस्ट्रेट को जिम्मेदारी दी गई है। एक दिन पहले ही परीक्षा के लिए बनाए गए 67 केंद्रों पर सीसीटीवी वगैरह की जांच करने के निर्देश दिए गए हैं।

दो चरणों में होगी अभ्यर्थियों की तलाशी प्रत्येक परीक्षा केन्द्र के प्रवेश–द्वार पर तीन पुरुष व दो महिला कांस्टेबल को अभ्यर्थियों की तलाशी के लिए लगाया जाएगा। पुलिस कांस्टेबल निष्ठापूर्वक तलाशी ले रहे हैं इसकी निगरानी के लिए प्रत्येक केन्द्र पर एक सब इंस्पेक्टर या इंस्पेक्टर की भी तैनाती की जाएगी। पुलिस कार्मिकों के साथ ही अभ्यर्थियों की तलाशी एवं बायोमीट्रिक जांच का काम निजी एजेंसी के स्तर से भी किया जाएगा ताकि अभ्यर्थी अवांछित या निषिद्ध सामग्री परीक्षा कक्ष में न ले जा सकें। बैग–मोबाइल रखने के लिए होगी निरूशुल्क व्यवस्था परीक्षा केंद्र के प्रवेश–द्वार पर अभ्यर्थियों के बैग, पुस्तकें, मोबाइल फोन आदि किसी वॉचमैन की निगरानी में रखने के लिए उचित व्यवस्था की जाएगी। सामग्री जमा करने के बाद अभ्यर्थियों को टोकन दिए जाएंगे। साथ ही सामग्री जमा करने के लिए अभ्यर्थियों से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।

एसएससी ने मांगा आधार, बंद हुआ 'स्क्राइब का फर्जीवाड़ा

प्रयागराज। कर्मचारी चयन आयोग ने भर्ती परीक्षाओं में आधार मांगना शुरू किया तो स्क्राइब के नाम पर होने वाला फर्जीवाड़ा ही बंद हो गया। केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, कार्यालयों एवं विभागों में होने वाली भर्तियों को और अधिक पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से एसएससी ने पांच स्तर पर आधार सत्यापन की व्यवस्था लागू की है। इसकी तैयारी अप्रैल में ही शुरू हो गई थी और जुलाई में सेलेक्शन पोस्ट फेज 13 की पहले चरण की कंप्यूटर आधारित परीक्षा से इसे लागू किया गया है। इससे स्क्राइब (दिव्यांग अभ्यर्थी के लिए लेखक) के नाम पर फर्जीवाड़ा बंद हो गया है। पहले कुछ अभ्यर्थी स्क्राइब के रूप में परीक्षा देने के बाद स्वयं परीक्षा में शामिल हो जाते थे। अब एसएससी ने परीक्षा में शामिल होने के लिए अभ्यर्थियों के साथ ही लेखक का आधार सत्यापन भी शुरू कर दिया है। इससे पहले लेखक और बाद में अभ्यर्थी के रूप में शामिल होना नामुमकिन हो गया क्योंकि आधार से तुरंत पकड़ हो जाएगी कि उक्त अभ्यर्थी पहले स्क्राइब के रूप में परीक्षा दे चुका है। पिछले साल सीजीएल 2024 में मध्य क्षेत्र के तहत आने वाले यूपी और बिहार में जहां 2651 अभ्यर्थियों ने स्क्राइब मांगा था वहीं इस साल सीजीएल 2025 में 717 ने आवेदन किया था। परीक्षा से ठीक पहले स्क्राइब के लिए खासतौर से होने वाले ऑनलाइन आवेदन में यह संख्या और कम हो गई। एसएससी मध्य क्षेत्र कार्यालय के क्षेत्रीय निदेशक आशीष कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि जुलाई से अब तक आयोजित तीन भर्ती परीक्षाओं के पहले चरण में स्क्राइब मांगने वालों की संख्या काफी घट गई है। सेलेक्शन पोस्ट फेज 13 के लिए उत्तर प्रदेश और बिहार के 307 अभ्यर्थियों ने स्क्राइब के लिए आवेदन किया था। हालांकि परीक्षा से पहले स्क्राइब के ऑनलाइन आवेदन में 307 में से एक भी अभ्यर्थी ने दोबारा आवेदन नहीं किया।

विकास पाल बने अति पिछड़ा मोर्चा के सहारनपुर मंडल अध्यक्ष

मुजफ्फरनगर। आज भारतीय अति पिछड़ा वर्ग संघर्ष मोर्चा के टाउन हॉल स्थित कार्यालय पर एक बैठक हुई जिसमें मोर्चा के उपाध्यक्ष राकेश वालिया ने बताया हे कि राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहन प्रजापति द्वारा उद्योगपति विकास पाल को युवा मोर्चा का सहारनपुर मंडल अध्यक्ष बनाया गया हे वहीं नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष विकास पाल से आशा व्यक्त की गई हे कि वह संगठन की नीतियों का प्रचार प्रसार कर युवाओं को संगठन से जोड़ने का काम करेंगे ताकि मोर्चा द्वारा अति पिछड़ा वर्ग के लिए लड़ी

जा रही हक अधिकारों की लड़ाई ओर अधिक मजबूती से लड़ी जा सके नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष विकास पाल ने कहा हे कि जो जिम्मेदारी उन्हें दी गई हे उसपर वह खरा उतरने का प्रयास करेंगे और अति पिछड़ा वर्ग के लिए पूरी ईमानदारी वे मेहनत से कार्य करेंगे। इस दौरान, कार्यवाहक जिला अध्यक्ष रामपाल सिंह पाल, प्रभारी रामनिवास प्रजापति एडव, मंडल अध्यक्ष दिनेश पाल, राजेश सैन, श्याम सुंदर प्रजापति, सोनू प्रजापति, विजय पाल, राहुल प्रजापति, वरिष्ठ नेता राकेश कश्यप, शाहिद झोझा, इंद्रमल प्रजापति, दीपक, बृजबीर धीमान, विश्वकर्मा, अरुण, विनेश कोरी,आज मौजूद रहे।

विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ में वार्षिक अधिवेशन एवं सम्मान समारोह

मुजफ्फरनगर। विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ का 10 अक्टूबर सन 2025 को आयोजित वार्षिक अधिवेशन एवं सम्मान समारोह में उत्तराखंड संस्कृत अकादमी हरिद्वार ऑडिटोरियम में देश – विदेश से पधारे साहित्यकारों के साथ ही जनपद मुजफ्फरनगर की वरिष्ठ साहित्यकार, कथाकार एवं आकाशवाणी साहित्यिक डॉ. सविता वर्मा 'ग़ज़ल' को 'विद्या सागरष मानद सम्मान' एवं मनु श्वेता को 'विद्या वाचस्पति मानद सम्मान' से स्वतंत्र प्रभार मंत्री श्री श्यामवीर सैनी जी, विक्रम शीला हिंदी विद्यापीठ वि0वि0 के निदेशक डॉ0 आनंद भारद्वाज, उपकुलपति डॉ 0 श्री गोपाल नारसन जी के कर कमलों द्वारा सम्मानित किया गया।

देवांश ने जीता रजत पदक

मुजफ्फरनगर। अचीवरस शूटिंग अकादमी मुज़फ्फरनगर के निशानेबाज़ देवांश दुहान ने देहरादून में चल रही 44वी नार्थ जोन चैंपियनशिप में प्रदेश का नाम रोशन करते हुए 25 मीटर सेंटर फायर पिस्टल में रजत पदक जीता। पदक जीतकर नेशनल चैंपियनशिप के लिए वरियता प्राप्त की। कोच विपुल लटियांन ने बताया कि अब देवांश प्रदेश का प्रतिनिधित्व नेशनल चैंपियनशिप में करेगे और पदक की दावेदारी पेश करेंगे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा मान्यता प्राप्त नवगठित प्रयागराज जंक्शन शाखा का प्रथम कार्यक्रम आयोजित किया गया

प्रयागराज। नवगठित प्रयागराज जंक्शन ब्रांच उत्तर मध्य रेलवे कर्मचारी संघ सम्बद्ध भारतीय रेल मजदूर संघ, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा मान्यता प्राप्त जंक्शन शाखा द्वारा प्रथम कार्यक्रम के रूप में शाखा का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के शुभारंभ में सर्वप्रथम वेद पाठ इसके उपरांत मां भारती की पूजा अपने उद्योग की बेहतरी हेतु संरक्षा सुरक्षा समय पालन व ग्राहक संतुष्टि के संदर्भ में परिचर्चा हुई जिस पर उपस्थित पदाधिकारी द्वारा अपने अपने अनुभव साझा किए गए तथा अनुशासित ढंग सभी सदस्यों को दृढ़ संकल्प हो शाखा का सुचारू रूप से संचालन एवं उद्देश्य पूर्ति हेतु सार्थक प्रयास हो इस पर भी एक मत हो सभी ने एक जुटता सहमति जताई।

उपस्थिति पदाधिकारी, माननीय महामंत्री श्री रूपम पांडे तथा मंडल मंत्री श्री आशीष मिश्रा व जंक्शन शाखा के शाखा अध्यक्ष श्री आर एन पटेल तथा शाखा सचिव संतोष कुमार शर्मा, श्री मनीष जायसवाल श्री पवन मालवीय श्री मनीष मिश्रा श्री सुरेश शर्मा वाणिज्य विभाग से श्री बलदाऊ जी श्री के के दुबे जी मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय ब्रांच के शाखा सचिव श्री सनद तथा मंडल व ब्रांच के पदाधिकारी तथा वाणिज्य व परिचालन विभाग के कर्मचारी उक्त कार्यक्रम में शामिल हुए ध्वजारोहण व ध्वज प्रणाम संघ प्रार्थना के उपरांत मिष्ठान व जल पान की व्यवस्था की गई थी।

शुकतीर्थ मे स्नान मेले के आयोजन को अधिकारियों ने किया निरीक्षण

मोरना। तीर्थ नगरी शुकतीर्थ में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर प्रतिवर्ष लगने वाले गंगा स्नान मेले मे प्रबंध व सुरक्षा व्यवस्था को लेकर शनिवार को जिलाधिकारी, जिला पंचायत अध्यक्ष एसएसपी सहित अन्य अधिकारियो ने मेला स्थल व गंगा घाट पर जाकर निरिक्षण किया तथा व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए दिशा निर्देश दिये।

तीर्थ नगरी शुकतीर्थ मे आगामी दो नवंबर से छरूनवंबर तक गंगा स्नान मेले का आयोजन किया जायेगा। मुख्य स्नान पांच नवंबर को होगा।मेले का आयोजन जिला पंचायत द्वारा किया जाता है। मेले मे प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर शुकतीर्थ पहुंचे जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीरपाल निर्वाल, जिलाधिकारी उमेश मिश्रा,मुख्य विकास अधिकारी कमल किशोर कण्डारकर,वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार,अपर जिलाधिकारी वित्त गजेंद्र सिंह,उपजिलाधिकारी राहुल देव भट्ट,एसपी देहात आदित्य बंसल,तहसीलदार श्रद्धा

गुप्ता,नायब बृजेश कुमार, सीओ देवव्रत वाजपेयी,थाना प्रभारी निरीक्षक मुनीश कुमार आदि ने प्रत्येक व्यवस्था को मज़बूत बनाने के लिए निरिक्षण किया।जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने बताया की मेले मे आने वाले श्रद्धालुओं को कोई भी असुविधा न हो इसके लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये हैं। स्वच्छता के विशेष प्रबंध रहेंगे, पूर्व से बेहतर सुविधाएं श्रद्धालुओं को दी जाएं इसके लिए प्रयास किये जाएंगे।

जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीरपाल निर्वाल ने बताया की मेले को भव्य बनाने के लिए सुंदरता की व्यवस्था की जायेगी। सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजन रहेगा। पूर्व से बेहतर व्यवस्थाएं की जायेगी। इस बार जिला पंचायत द्वारा मेले की व्यवस्थाओ लिए 44 लाख 91 हजार रुपये का बजट रखा गया है। इस दौरान अक्षय शर्मा, विनोद शर्मा,राम कुमार शर्मा, ग्राम प्रधान राजपाल सैनी,प्रवीण कुमार लेखपाल, विवेक चौधरी चौकी प्रभारी,प्रदीप निर्वाल,सुरेन्द्र सिंह देवेन्द्र आर्य, मघिन्द्र बालियान आदि मौजूद रहे।

डीएस पब्लिक स्कूल में स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

मुजफ्फरनगर। आज यहां डी एस पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों के लिए स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर के प्रथम दिन आज विद्यार्थियोलल्लल्ल को स्काउट गाइड का इतिहास, झंडा गीत, प्रार्थना, स्काउट प्रतिज्ञा एवं सिद्धांत सहित स्काउट गाइड का बेसिक प्रशिक्षण दिया गया। भारत स्काउट गाइड संस्था मुजफ्फरनगर द्वारा आयोजित इस शिविर में कक्षा 6 से कक्षा आठवीं तक के विद्यार्थियों को प्रवेश ,प्रथम एवं द्वितीय सोपान के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। कार्यक्रम के प्रथम दिन आज प्रशिक्षण शिविर का भव्य शुभारंभ किया गया। शिविर का शुभारंभ सहायक जिला आयुक्त गाइड श्रीमती रेणु गर्ग, जिला संगठन कमिश्नर श्री भारत भूषण अरोड़ा सहित स्कूल एजुकेशन डायरेक्टर श्रीमती संतोष जैन ,स्कूल प्रधानाचार्य श्री गगन शर्मा एवं कोऑर्डिनेटर संदीप दीक्षित ने संयुक्त रूप से किया। शिविर में बाल कल्याण समिति के सदस्य डॉ राजीव कुमार ने विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित होकर मेधावी बालिकाओं को सम्मानित किया। मेरठ सहारनपुर मंडल के

स्काउट सहायक संगठन कमिश्नर श्री अमित कुमार सैनी ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिविर का अवलोकन करते हुए विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। शिविर में स्काउट ट्रेनिंग काउंसलर श्री पिंकू कुमार, गाइड ट्रेनिंग काउंसलर कुमारी साक्षी एवं आईटी काउंसलर श्री अनुज कुमार ने विद्यार्थियों को स्काउट गाइड की प्रतिज्ञा, नियम एवं सिद्धांत का प्रशिक्षण दिया।

उन्होंने विद्यार्थियों को स्काउट गाइड के नियमों की जानकारी देते हुए बताया कि स्काउट गाइड सबका मित्र, विश्वसनीय, साहसी अनुशासनशील एवं सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करने वाला होता है। वह मन क्रम वचन से शुद्ध एवं पशु पक्षियों तथा प्रकृति से प्रेम करने वाला होता है। वह मितव्ययी एवं हमेशा दूसरों की सहायता करने वाला होता है। शिविर में विद्यार्थियों को स्काउट गाइड प्रतिज्ञा कराई गई कि वे सभी हमेशा स्काउट गाइड के नियमों का पालन करते हुए अपने देश के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन करेंगे ।कार्यक्रम के अंत में प्रथम दिन के शिविर के समापन पर स्कूल प्रधानाचार्य श्री गगन शर्मा ने सभी आगंतुकों का आभार प्रकट किया। उन्होंने विद्यार्थियों को स्काउट गाइड बनने पर बधाई देते हुए कहा कि स्काउटिंग का उद्देश्य बच्चों को चरित्रवान एवं शारीरिक तथा मानसिक रूप से मजबूत बनाकर एक देशभक्त एवं कर्तव्य निष्ठ नागरिक के रूप में विकसित करना है।

सी.एम.पी महाविद्यालय के मध्यकालीन इतिहास के छात्रों ने जाना जौनपुर का इतिहास

प्रयागराज। सी.एम.पी. महाविद्यालय के मध्यकालीन इतिहास विभाग द्वारा स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को जौनपुर स्थित प्राचीन एवं मध्यकाल के ऐतिहासिक स्थलों का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। इस भ्रमण के अंतर्गत विद्यार्थियों ने शाही किला, अटाला मस्जिद, शाह फिरोज का मकबरा, झाझरी मस्जिद तथा शीतला माता मंदिर, चौकियां धाम का अवलोकन किया। विभाग के संयोजक डॉ. नीरज कुमार सिंह ने विद्यार्थियों के साथ जौनपुर के इतिहास तथा उसकी स्थापत्य कला की विशेषताओं को साझा किया। उन्होंने बताया कि शैक्षणिक भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान के साथ–साथ स्थल पर जाकर प्रत्यक्ष अध्ययन का अवसर प्रदान करना है। कार्यक्रम के दौरान डॉ. मुनींद्र शुक्ला ने शाही किला के निर्माण से संबंधित ऐतिहासिक पहलुओं पर प्रकाश डाला, वहीं डॉ. अखिलेश यादव ने किले के अंदर बने भवनों के उपयोग एवं उनकी विशेषताओं पर जानकारी दी। इस अवसर पर पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. पुनीत कुमार सिंह, विभागीय सदस्य डॉ. विजय मद्धेशिया एवं डॉ. अंशु, सहित शोध छात्र एवं स्नातकोत्तर वर्ग के लगभग 40 विद्यार्थी उपस्थित रहे।

दुर्घटना में घायल सफाईकर्मी की मौत, घर में 19 घंटे से रखा शव

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में सड़क दुर्घटना में घायल हुए सफाईकर्मी की 12 दिन बाद इलाज के दौरान मौत हो गई। शुक्रवार को डेडबॉडी घर पहुंचते ही मृतक के इंदिरानगर स्थित घर के बाहर भीड़ लग गई। परिजन 19 घंटे से अंतिम संस्कार नहीं कर रहे हैं। उनका कहना है कि कार्यदायी कंपनी लखनऊ स्वच्छता अभियान (एलएसए) ने मदद नहीं की। इसके अलावा चोटिल होने के बावजूद काम कराया। दोपहर से स्थानीय लोग नगर निगम और एलएसए का विरोध कर रहे हैं। इस दौरान एलएसए के अधिकारी 10 हजार रुपए लेकर आर्थिक सहायता देने के लिए पहुंचे, जिसका लोगों ने विरोध कर दिया। मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मृतक सफाई कर्मी के आवास पर इक्कठा हुए हैं। पार्षद सुरेंद्र वाल्मीकि ने बताया कि उनके घर के पास में श्याम किशोर, लवकुश नगर पुरानी बस्ती, इंदिरानगर परिवार के साथ में रहते हैं। परिवार में पति–पत्नी और बेटा सफाईकर्मी हैं। उनका कहना है कि एलएसए कंपनी की लापरवाही से उनके बेटे की जान गई। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटना में घायल होने के बाद में परिवार की कोई मदद एलएसए ने नहीं किया है। लवकुशनगर पुरानी बस्ती निवासी मृतक के पिता श्याम किशोर ने बताया कि लखनऊ में कल शाम को बेटे अक्षित वाल्मीकि (20) को टेढ़ी

पुलिया के पास स्थित मेडिसन अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। उन्होंने कहा कि चोट लगने के बाद में कंपनी के लोग लेकर गए फर्स्ट ऐड करा दिया। इसके बाद छोड़ दिया। कोई मदद नहीं की। चोट के बाद 2 अक्टूबर तक ड्यूटी कराई गई। इसके बाद तबीयत खराब होने पर लोकल क्लिनिक पर लेकर गए जहां पर आराम नहीं मिला। पेट में गहरी चोट लगी थी। शरीर अकड़ गई थी। इसके बाद डॉक्टर राम मनोहर लोहिया अस्पताल लेकर गए। यहां पर अल्ट्रासाउंड नहीं हुआ। डॉक्टर ने इंजेक्शन लगाकर छोड़ दिया। इसके बाद घर आ गए। फिर शेखर अस्पताल और इसके बाद शालीमार अस्पताल लेकर गए, लेकिन कहीं आराम नहीं मिला। पार्षद मुकेश चौहान ने बताया कि मृतक के मां बाप उनके क्षेत्र में सफाई कर्मी हैं। उनका कहना है परिवार के लोगों की मदद एलएसए की तरफ से नहीं की गई। इसके चलते लोग नाराज हैं।

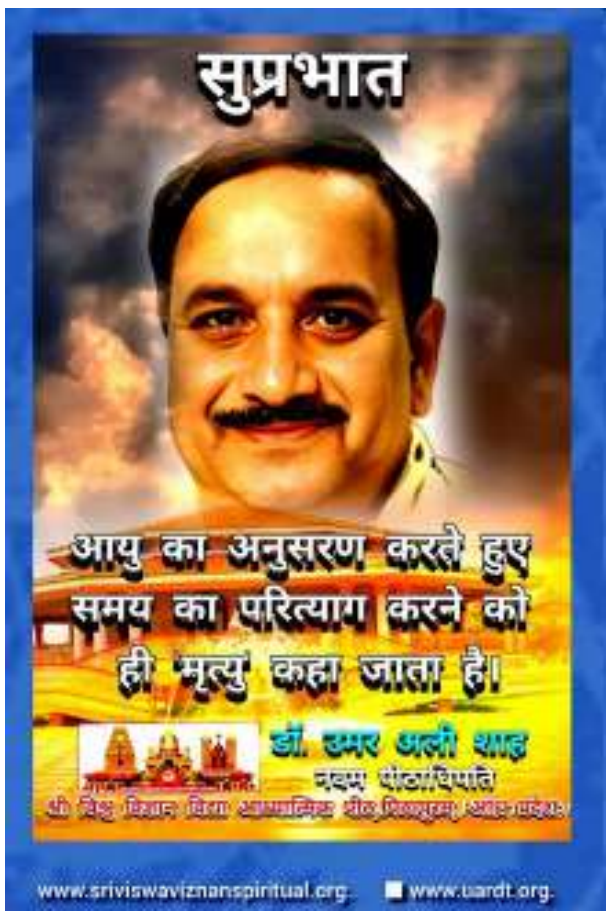

ट्यूलिप

(कुण्डलिया)

रंगों को भर पंखुरी, कहती प्यारी बात।
गंधहीन ट्यूलिप सदा, लाती सुखद प्रभात।
लाती सुखद प्रभात, श्रृंखला जिसकी लम्बी।
अद्‌भुत है सौन्दर्य,शून्य है जिसका दम्भी।
सुन लो कहें प्रदीप, सुहाते हैं अपनों को।
जिसके सारे फूल, रँगे जो हर रंगों को।।

पंखुड़ियाँ जिनकी सदा, फूलों के अनुसार।
एकदली या बहुदली, लेती हैं आकार।
लेती हैं आकार, भूमिगत कन्दों से वह।
फूलों का आधार, रहे डठंल के ऊपर।
सुन लो कहें प्रदीप,देखकर ट्यूलिप– कलियाँ।
बनती हैं जब फूल, मोहती हैं पंखुड़ियाँ।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

श्रीमद् भागवत कथा का दूसरा दिन

मऊ (चित्रकूट)। नगर पंचायत मऊ के टिकरा टोला में चल रही श्री मद भागवत कथा के कथा व्यास वृंदावन से आए तरंग जी महाराज के मुखारविंद से द्वितीय दिवस के भावपूर्ण कथा से श्रोतागण भावविभोर हो गए। दिन शनिवार को कथा परीक्षित श्री राजनारायण द्विवेदी के आवास पर चल रही कथा के द्वितीय दिवस में कथा वक्ता आचार्य तरंग जी महाराज ने कहा सत्संग से ही इस जीवन को सफल बनाया जा सकता है। आचार्य तरंग जी महाराज ने इस दौरान महाभारत से जुड़े प्रसंग को सुनाकर कहा कि प्रत्येक मनुष्य को जीवन में सदमार्ग की ओर चलना चाहिए। कथा के मुख्य यजमान राजनारायण द्विवेदी पत्नी स्व० कलावती देवी हैं। कथा श्रवण के दौरान दिनेश द्विवेदी, राजेश द्विवेदी, अशोक द्विवेदी, कुल्लन, अवधनरेश त्रिपाठी, संतोष द्विवेदी, अनुज तिवारी, पत्रकार विष्णु देव त्रिपाठी, पूर्व प्रधान बुद्धसेन गौतम, पिंटू बाजपेई, अर्चित शुक्ला, संजय, रंजय, रजत द्विवेदी, युवा छात्र नेता अभिनव द्विवेदी, सुधांशु द्विवेदी, विकास द्विवेदी, विपुल पांडेय, अज्जू सहित सैकड़ों की तादाद में लोग मौजूद रहे।

अजय राय को रोकने के लिए भारी पुलिस बल तैनात,फतेहपुर जा रहे थे प्रदेश अध्यक्ष

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में कांग्रेस मुख्यालय शनिवार को छावनी में तब्दील हो गया। दरअसल, पार्टी प्रदेश अध यक्ष फतेहपुर जाने वाले थे। उनके जाने से पहले पुलिस ने बड़ी–बड़ी बैरिकेडिंग कर उनके काफिले को रोक दिया। रोके जाने से पहले अजय राय ने कहा था चाहे गोली चलवा दी जाए, हम मृतक दलित के घर सांत्वना देने जाएंगे। अजय राय प्रदेश मुख्यालय के अंदर ही हैं और बाहर कार्यकर्ताओं का जमावड़ा लग गया।

कार्यालय के आसपास जमा हो रहे कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोकना शुरू कर दिया। इस दौरान कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने सीएम योगी के खिलाफ नारे लगाए। अजय राय रायबरेली में भीड़ की ओर से मारे गए दलित युवक के घर फतेहपुर जाने वाले थे।

पूर्वोत्तर रेलवे
ई-टेंडरिंग निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए मण्डल रेल प्रबन्धक (इंजी.)/ वाराणसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाइन (ई-टेंडरिंग) के माध्यम से "खुली" निविदा आमंत्रित करते हैं:
कार्य का नाम : वाराणसी-प्रयागराज रामबाग अनुभाग में सुरक्षा बाड़ का प्रावधान. ई-निविदा सूचना सं. : एनईआर-बीएसबी-2025-103, अनुमानित लागत (₹) : 1,02,13,70,009/-, बिड सिक्योरिटी (अग्रधन राशि) (₹): 52,56,900/-, निविदा बन्द होने की तिथि : 11.11.2025, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 18 माह।
- निविदा सूचना संख्या एनईआर-बीएसबी-2025-103 दिनांक 11.11.2025 को 14:30 बजे तक आनलाइन जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।
• यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अन्तर होता है तो निविदा सूचना में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।
मण्डल रेल प्रबन्धक/(इंजी.) वाराणसी
मुजाबि/कम्प्यू-291
ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें

उत्तर मध्य रेलवे
Letter No:- DRM/C/AGRA/Parcel/E-AUCTION दिनांक: 10.10.2025
ई-नीलामी सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि0 मण्डल वाणिज्य प्रबंधक - आगरा द्वारा निम्न दी गयी श्रेणियों के अनुसार ई-नीलामी आमंत्रित की गयी है, विवरण निम्न प्रकार है:-
श्रेणी: पार्सल | कैटलॉग संख्या: AGRA-LEASING-45
एसेट्स डिटेल्स: 1. गाड़ी संख्या 12178 में (01) (R1) एसएलआर, 2. गाड़ी संख्या 15110 में (01) (F1) एसएलआर, 3. गाड़ी संख्या 13168 में (01) (R1) एसएलआर।
ई-नीलामी प्रारम्भ होने की दिनांक एवं समय: दिनांक:- 24.10.2025, समय:- 11:00
ई-नीलामी समाप्त होने की दिनांक एवं समय: दिनांक:- 24.10.2025, समय:- 11:50
नोट:- उक्त ठेकों के आवंटन हेतु नीलामी केवल ऑनलाईन वेबसाइट- www.ireps.gov.in के E-Auction Module के माध्यम से की जायेगी। लॉट अनुसार विवरण उपर्युक्त कैटलॉग संख्या के अंतर्गत उपलब्ध है। 1870/25 (ADM)
North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

सम्पादकीय.....

जातिगत भेदभाव

देश में अभी सर्वोच्च न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई बनाम वकील राकेश कुमार का मामला चर्चा में था कि हरियाणा के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार द्वारा की आत्महत्या ने जातिगत भेदभाव के मामले को एक बार फिर सड़क से लेकर सत्ता के गलियारों में गर्मा दिया है। उपरोक्त दोनों मामले पढ़े–लिखे व समाज में उच्च स्थान रखने वालों से संबंधित हैं, लेकिन इनके साथ–साथ पिछले माह शिमला में एक दलित बच्चे के साथ जिस तरह का व्यवहार हुआ, उस कारण डरे व सहमे बच्चे ने आत्महत्या कर ली। रायबरेली में एक दलित को ड्रोन चोर समझकर उसकी हत्या कर दी गई। यह सब मामले चिंताजनक हैं। प्रधान न्यायाधीश गवई विरुद्ध सोशल मीडिया पर गैरकानूनी और आपत्तिजनक सामग्री डालने पर कार्रवाई करते हुए पंजाब पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों में 100 से अधिक सोशल मीडिया मंचों विरुद्ध शिकायतें दर्ज की हैं। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार विचाराधीन पोस्ट और वीडियो में जातिवादी और घृणा से भरे भाव हैं जिनका उद्देश्य सांप्रदायिक वैमनस्य को बढ़ावा देना, सार्वजनिक व्यवस्था को बिगाड़ना और न्यायिक संस्थानों के प्रति सम्मान को कम करना है। सोशल मीडिया सामग्री में प्रधान न्यायाधीश को निशाना बनाने वाले गैरकानूनी और आपत्तिजनक पोस्ट शामिल थे। संज्ञेय अपराधों के खुलासे की सूचना मिलने पर अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत विभिन्न पुलिस थानों में प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। हरियाणा के आईपीएस वाई पूरन कुमार की आत्महत्या के मामले में जापान से लौटीं आईएएस पत्नी अमनीत पी कुमार ने हरियाणा के डीजीपी शत्रुजीत कपूर और रोहतक के एसपी नरेंद्र बिजारणिया के खिलाफ सेक्टर–11 पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवाई। चार पन्नों के शिकायती पत्र में उन्होंने डीजीपी व एसपी पर उनके पति के उत्पीडन, जाति आधारित भेदभाव और प्रताड़ित करने का आरोप लगाया। दोनों पर पति को आत्महत्या के लिए उकसाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पति की मौत से ठीक पहले डीजीपी कपूर के कहने पर उनके खिलाफ रोहतक में झूठा केस दर्ज किया गया। यह सब षड्यंत्र के तहत किया गया, जिस कारण उनके पति ने मंगलवार को आत्महत्या की। आईएएस अमनीत ने दावा किया कि उनके पति को एससी–एसटी समुदाय से होने के कारण जाति आधारित गालियां दी गईं। सार्वजनिक रूप से अपमानित भी किया गया। उन्हें पति का आठ पन्नों का सुसाइड नोट मिला है, जिसमें उन्होंने अपने दर्द और उत्पीड़न बारे में लिखा है। उसमें कई अन्य अधिकारियों के नाम भी हैं। यह भी दावा किया कि पुलिस अधिकारियों द्वारा सीएफएसएल से बरामद किए जाने के अलावा उन्हें अलमारी और लैपटाप से भी सुसाइड नोट की कापी मिली है, जो उन्होंने पुलिस को सौंप दी है। उन्होंने मांग की है कि दोनों आरोपित अफसरों के खिलाफ तुरंत एफआइआर दर्ज कर गिरफ्तार किया जाए, ताकि साक्ष्यों से छेड़छाड़ न हो। अमनीत ने कहा कि वह न्याय की लड़ाई लड़ेंगी। किसी को छोड़ेंगी नहीं। शिकायत की प्रति उन्होंने चंडीगढ़ के मुख्य सचिव एच राजेश प्रसाद, गृह सचिव मनदीप सिंह बराड़ और एसएसपी कंवरदीप कौर को भी भेजी है। आईपीएस पूरन कुमार ने आत्महत्या से पहले सुसाइड नोट में लिखा 'मैं अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर बेहद चिंतित हूं। ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि मेरे प्रति अब यह शत्रुता समाप्त होनी चाहिये। हरियाणा के एडीजीपी रैंक के आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार ने अंग्रेजी में लिखे अपने आठ पेज के सुसाइड नोट में आखिर में यही दो महत्वपूर्ण लाइनें लिखी हैं। उनके सुसाइड नोट में हरियाणा के 16 सीनियर आईपीएस और आईएएस अधिकारियों के नाम है। वाई पूरन कुमार ने अपने सुसाइड नोट को फाइनल नोट का नाम देते हुए उसमें अगस्त 2020 से अब तक चले आ रहे उत्पीड़न का जिक्र किया। उन्होंने सुसाइड नोट में लिखा कि अगस्त 2020 से हरियाणा के संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा जारी जाति आधारित भेदभाव, लक्षित मानसिक उत्पीड़न, सार्वजनिक अपमान और अत्याचार का सिलसिला चला आ रहा है, जो अब असहनीय हो गया है। वाई पूरन कुमार के सुसाइड नोट का मूल यही था कि उन्हें विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर बैठे अधिकारियों ने बार–बार प्रताड़ित किया और सरकार के हस्तक्षेप के बाद भी यह उत्पीड़न बंद नहीं हो पाया।' उपरोक्त सब घटनाएं दिल को दुखाने वाली, निंदाजनक और संविधान विरुद्ध है। जातिगत आधारित भेदभाव सदियों पुराना है। डा. भीमराव अम्बेडकर सारा जीवन भेदभाव का शिकार रहे लेकिन वह इस व्यवस्था के विरुद्ध लड़ते रहे। उन्होंने कभी हार नहीं मानी। आजादी मिलने के बाद उन्होंने भारतीय संविधान में भारतीय नागरिकों को एक समान दर्जा दिया।

डिजिटल नवाचार और स्वच्छ ऊर्जा में पारस्परिक निवेश

एजेन्सी

ऐसे वक्त में जब अमेरिका ने निरंकुश टैरिफ थोपने व भारत के हितों पर कुठाराघात की नीति अख्तियार की हुई है, ब्रिटेन के साथ रक्षा व कारोबारी रिश्तों में नई शुरुआत उम्मीद जगाने वाली है। दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते का सिरे चढ़ना दोनों पक्षों के हित में बताया जा रहा है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर की भारत की पहली आधिकारिक यात्रा को नई दिल्ली और लंदन के संबंधों में एक नये सिरे से बदलाव का प्रतीक बताया जा रहा है। मुंबई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी मुलाकात के प्रतीकात्मक और व्यावहारिकता की दृष्टि से गहरे निहितार्थ हैं। इस यात्रा के दौरान महत्वपूर्ण समझौते इस यात्रा के महत्व को रेखांकित करते हैं। जिसमें 468 मिलियन डॉलर का मिसाइल सौदा, मुक्त व्यापार समझौते यानी एफटीए के शीघ्र क्रियान्वयन के लिये प्रतिबद्धता तथा भारत में नौ ब्रिटिश विश्वविद्यालय खोलने पर सहमत होना शामिल है। जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा भी है कि इस रिश्ते में 'एक नई ऊर्जा है', जो व्यापार, सेवाओं, विशेष रूप से आईटी और फिनटेक के निर्यात को बढ़ावा मिल सकता है। लेकिन वहीं दूसरी ओर मुक्त व्यापार समझौते के क्रियान्वयन को लेकर कुछ चिंताएं भी मौजूद हैं। मसलन छोटे और मध्यम उद्यमों के सामने सस्ते ब्रिटिश आयातों से कमजोर होने या नियामक विषमताओं का सामना करने की आशंका बनी हुई है। इसमें दो राय नहीं है कि एफटीए के फलस्वरूप, ब्रेक्सिट के बाद ब्रिटेन के लिये, भारत एक अनिश्चित वैश्विक अर्थव्यवस्था के बीच विकास का एक लाभप्रद अवसर और एक स्थिर अर्थव्यवस्था वाला मजबूत साझेदार का मिलना है। लेकिन इसके बावजूद मुक्त व्यापार समझौते के क्रियान्वयन में भारतीय हितों की रक्षा के लिये सतर्क पहल की जरूरत भी महसूस की जा रही है। वैसे यह भी तथ्य है कि अनुसंधान, डिजिटल नवाचार और स्वच्छ ऊर्जा में पारस्परिक निवेश की कसौटी पर ही दोनों देशों के रिश्तों की असली परीक्षा होगी। लेकिन यह भी एक हकीकत है कि भारतीय पेशेवरों या छात्रों के लिए वीजा मानदंडों में ढील देने से स्टारमर का स्पष्ट इनकार करना इस बहुप्रचारित साझेदारी की सार्थकता को लेकर सवाल पैदा कर सकता है। यह विडंबना ही है कि ब्रिटेन कुछ मुद्दों को लेकर दोहरा मापदंड अपना रहा है। एक ओर ब्रिटेन जहां भारतीय बाजार में अपनी पहुंच बनाना और साथ ही तकनीकी सहयोग तो पाना चाहता है, लेकिन वहीं वह श्रम की गतिशीलता को लेकर सतर्क बना हुआ है, जो कि ब्रिटेन के साथ भारत के आर्थिक और शैक्षिक जुड़ाव का एक केंद्रीय मुद्दा बना रहा है। इस बात में दो राय नहीं हो सकती है कि यदि प्रतिभाओं का आदान–प्रदान एकतरफा ही रहेगा, तो पारस्परिक लाभ पर साझेदारी फल–फूल नहीं सकती। निर्विवाद रूप से यह तथ्य तार्किक है कि मुक्त व्यापार समझौते की राह अभी भी बाधाओं से पूरी तरह से मुक्त नहीं हो पायी है। उल्लेखनीय है कि टैरिफ, बौद्धिक संपदा और श्रम गतिशीलता के मुद्दे पर मतभेद अभी भी बने हुए हैं। वहीं दूसरी ओर मूल्य आधारित कूटनीति पर भारतीय प्राथमिकता को लेकर दोनों देशों में मतभेद सामने आ सकते हैं। साथ ही यह भी जरूरी है कि दोनों पक्षों को पुरानी कसक से प्रेरित कूटनीति से आगे बढ़ने की जरूरत होगी। निर्विवाद रूप से विशेष संबंध औपनिवेशिक हैंगओवर या प्रवासी भावना पर आधारित नहीं हो सकते। इस साझेदारी का वायदा एक ऐसे सतत सहयोग के निर्माण में निहित है, जिसमें दोनों देशों के आम नागरिकों को वास्तविक लाभ मिल सके। भारत की चिंता ब्रिटेन की भूमि से भारत विरोधी गतिविधियों को अंजाम देने वाले तत्वों पर अंकुश लगाने को लेकर भी है। निश्चय ही अभिव्यक्ति की आजादी का मतलब अराजकता नहीं हो सकता। हाल के दिनों में कुछ अप्रिय घटनाएं भारतीय लोकतंत्र के प्रतीकों पर प्रहार करने के रूप में सामने आ चुकी हैं।

सपा और कांग्रेस की आलोचना के साथ भाजपा शासन की तारीफ

उत्तरप्रदेश में पूर्व मुख्यमंत्री और बसपा की मुखिया बहन मायावती ने गुरुवार को खुद अपनी साख पर बड़ा बट्टा लगा लिया। मायावती कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर तो लगातार निशाना लगाती ही हैं, लेकिन इस बार उन्होंने सपा और कांग्रेस की आलोचना के साथ भाजपा शासन की तारीफ की और योगी सरकार का आभार भी जता दिया। गौरतलब है कि मायावती के बारे में अक्सर ये कहा जाता है कि वे भाजपा की बी टीम के तौर पर काम करती हैं। अर्थात सीधे–सीधे न सही लेकिन चुनावों में वे इस तरह पांसे बिछाती हैं, जिससे भाजपा को फायदा हो, और सपा, कांग्रेस या अन्य भाजपा विरोधी दलों को नुकसान हो। जबकि जिस दलित पृष्ठभूमि से मायावती आती हैं और दलित राजनीति के बूते ही वे सत्ता तक भी पहुंची, उस दलित समुदाय की घोर उपेक्षा भाजपा के शासनकाल में हो रही है, इसके गवाह दलित उत्पीड़न के आंकड़े भी दे रहे हैं। जब भी दलित को प्रताड़ित करने की कोई बड़ी घटना होती है, तो बहनजी से स्वाभाविक तौर पर उम्मीद की जाती है कि वे कोई बयान देंगी। लेकिन मोदी शासनकाल में मायावती ने मानो सरकार के खिलाफ बोलना छोड़ ही दिया है। उनके इस रवैये के कारण बसपा की प्रासंगिकता भी कम होती गई, चुनावी नतीजे इसका प्रमाण हैं। लेकिन अब भाजपा की तारीफ कर बहनजी ने जो थोड़ी बहुत उम्मीद दलितों को उनसे थी, वो भी खत्म कर दी है। पिछले 13 सालों से मायावती सत्ता से बाहर हैं, लेकिन उत्तरप्रदेश में दलितों का यकीन उन पर अब भी बना हुआ है, ऐसा तब लगा जब गुरुवार को लखनऊ में हुई महारैली में बड़ी भीड़ जुटी। कांशीराम जी की पुण्यतिथि पर मायावती ने ये महारैली की थी, जिसका असली मकसद 2027 के चुनावों की तैयारी थी और इसके अलावा अपने भतीजे आकाश आनंद को फिर से सार्वजनिक तौर पर उत्तराधिकारी बताना था। हालांकि बड़ी संख्या में दलित जुटे, तो इसकी वजह यही थी कि वे फिर से उस आत्मसम्मान को वापस पाने की उम्मीद कर रहे हैं, जिसे भाजपा सरकार में लगातार कुचला जा रहा है। चुनावों के वक्त भाजपा के नेता, मंत्री दलितों के घर खाना खाते हुए तस्वीरें तो बहुत खिंचाते हैं, लेकिन जिन चमकते बर्तनों में वे भोजन करते हैं और जितने तरह के व्यंजन परोसे हुए होते हैं, उसे देखकर समझ आता है कि ये सारा तामझाम कुछ घंटों के वीडियो और तस्वीरें बनाने का है। जिसमें सब कुछ नाटकीय है, असलियत नहीं है। अगर दलितों को सवर्ण तबका अपने बराबर की सामाजिक स्वीकार्यता देता तो फिर इस तरह किसी को किसी के घर भोजन करने न जाना पड़ता। भाजपा सरकार में दलितों का अपमान, बाबा अंबेडकर से नफरत और संविधान को खत्म करने की जो कोशिशें लगातार चल रही हैं, उन पर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस दोनों पुरजोर तरीके से आवाज उठा रहे हैं। लेकिन मायावती ने गुरुवार को योगी सरकार की तारीफ की तो वहीं सपा पर जमकर हमला बोला। जिस पर अखिलेश यादव ने कहा कि क्योंकि उनकी अंदरूनी सांठगांठ है जारी, इसीलिए वो हैं जुल्म करने वालों के आभारी। बता दें कि मायावती ने रैली की शुरुआत में कहा कि अभी मैंने सुना कि अखिलेश यादव ने सत्ता में आने पर कांशीराम का स्मारक बनाने की बात कही लेकिन जब सत्ता में थे तो कभी ऐसा नहीं किया। ये लोग जब सत्ता में नहीं होते हैं तो इन्हें बसपा के नेता और दलित समाज के संतों की याद आती है जब सत्ता में आते हैं तो कुछ नहीं याद रहता है। ऐसे लोगों से सावधान रहना चाहिए। उन्होंने इल्जाम लगाया कि बसपा की सरकार रहते हुए मैंने जिन स्मारकों का नाम कांशीराम जी के नाम पर रखा उन्हें सपा की सरकार आने पर बदल दिया गया। मायावती ने कहा कि बसपा सरकार में कांशीराम के सम्मान में स्मारक स्थल बनाया गया था। उन्होंने योगी सरकार का भी आभार जताया और कहा कि स्मारक के देखने आने वालों की टिकट से आया पैसा इस सरकार ने सपा की सरकार की तरह टिकट का पैसा दबाकर नहीं रखा। भाजपा सरकार ने ऐसा नहीं किया बल्कि स्मारक के रखरखाव के लिए खर्च किया। हालांकि मायावती को इस पर विचार करना चाहिए कि दलित स्मारक से ज्यादा उन मूल्यों के लिए कांशीरामजी का सम्मान करते हैं, जिनकी वजह से उन्होंने दलित समाज में चेतना भरी और उन्हें हक के लिए खड़े होना सिखाया। अगर मायावती योगी सरकार का आभार जताने के साथ यह सवाल भी करतीं कि रायबरेली में दलित को क्यों पीट–पीट कर मारा गया, क्यों दलित वर्ग से आने वाले मुख्य न्यायाधीश पर जूता फेंका गया, उप्र में देश भर में सबसे अधिक दलित उत्पीड़न के मामले क्यों हो रहे हैं, तब तो समझ आता कि बहनजी वाकई दलितों की रहनुमा हैं। लेकिन इस समय वे भाजपा की सहयोगी की तरह बर्ताव कर रही हैं। जैसे नीतीश कुमार धर्मनिरपेक्ष होने का दावा कर उन ताकतों से हाथ मिलाते हैं, जिन्होंने बाबरी मस्जिद तोड़कर राम मंदिर बनाया है। आई लव मुहम्मद के बवाल पर मायावती खुलकर भाजपा की आलोचना नहीं कर सकीं, उन्होंने केवल यही कहा कि जनहित के मुद्दों पर ध्यान देने की बजाय, कुछ शरारती और स्वार्थी तत्व धर्म, देवी–देवता और खुदा के नाम पर विवाद और हिंसा पैदा करने की कोशिश में लगे रहते हैं। इन मामलों में राजनीति नहीं करनी चाहिए और सभी को भारतीय संविधान और धार्मिक परंपराओं का सम्मान करना चाहिए। इसी तरह कांग्रेस पर हमला बोलते हुए मायावती ने कहा कि कांग्रेस वाले संविधान हाथ में रखकर नाटकबाजी करते हैं जबकि इमरजेंसी के दौरान ही संविधान पर हमला हुआ था। यह बिल्कुल भाजपा की भाषा है। राजनीतिक पुस्तकें बहरहाल, मायावती ने दावा किया कि 2027 में उप्र में एक बार फिर पूर्ण बहुमत से बसपा की सरकार बनेगी। उन्होंने पार्टी नेता आकाश आनंद की तारीफ करते हुए कहा कि आकाश बसपा का जनाधार बढ़ाने के लिए मेरे दिशानिर्देशन में लगातार प्रयास कर रहे हैं।

आस्था, विश्वास और विकास का पर्याय भारत

संजीव ठाकुर

इन दिनों विश्व में जितने भी राजनीतिक और कूटनीतिक अहम फैसले किये जाते हैं उन में भारत की सलाह तथा उपस्थिति अनिवार्य मानी जा रही है यह भारत के गौरव की बात है।

भारत में विगत दो–तीन दशकों में भारत में कृषि,विज्ञान,टेक्नोलॉजी, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है. भारत में विशेष तौर पर साइंस एंड टेक्नोलॉजी तथा सामरिक क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाने में सफलता पाई है। इन दिनों विश्व में जितने भी राजनीतिक और कूटनीतिक अहम फैसले किये जाते हैं उन में भारत की सलाह तथा उपस्थिति अनिवार्य मानी जा रही है यह भारत के गौरव की बात है। 1947 में भारत और पाकिस्तान ने स्वतंत्रता प्राप्त की, लेकिन दोनों देशों की दिशा भिन्न रही। पाकिस्तान ने मुस्लिम राष्ट्र की अवधारणा अपनाई और अलग राह चुनी, जिसके परिणामस्वरूप आज वह कई आर्थिक और सामाजिक कठिनाइयों का सामना कर रहा है। भारत ने लोकतांत्रिक और जनतांत्रिक मूल्यों के आधार पर विकास के नए आयाम स्थापित किए, देश को सशक्त, विकसित और आत्मनिर्भर बनाया। पिछले दशक में भारत की राजनीतिक संरचना में उत्तरदायित्व आधारित शासन और प्रभावी प्रशासन ने लोकतंत्र को मजबूती दी। रिपोर्ट कार्ड राजनीति के उदय ने नेताओं और दलों का मूल्यांकन उनके कार्यों और परिणामों के आधार पर शुरू किया। संवैधानिक स्तर पर ऐतिहासिक कदम जैसे अनुच्छेद 370 का निरसन और जम्मू–कश्मीर का पुनर्गठन, तीन तलाक कानून और नागरिकता संशोधन अधिनियम ने न केवल राजनीतिक इच्छाशक्ति बल्कि सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय नीति में नए दृष्टिकोण स्थापित किए। डिजिटल संसदीय पहलें, ई–संसद और डिजिटलीकरण ने लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को तकनीकी रूप से सशक्त बनाया, वहीं विपक्ष, मीडिया और सोशल मीडिया ने लोकतांत्रिक विमर्श को चुनौतीपूर्ण और प्रभावशाली बनाया। नई भारत की अवधारणा केवल राजनीति और अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं रही। योग, आयुर्वेद और प्राचीन भारतीय ज्ञान को वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत किया गया। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण भारतीय सांस्कृतिक और धार्मिक आकांक्षाओं का प्रतीक बना। शिक्षा और पाठ्यपुस्तकों में भारतीय इतिहास और आख्यानों को नवीन रूप दिया गया। हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के विकास पर जोर दिया गया। सांस्कृतिक कूटनीति के माध्यम से भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी पहचान मजबूत की, जबकि बहुलतावाद और परंपरा बनाम आधुनिकता जैसी सामाजिक चुनौतियाँ विचार विमर्श का विषय बनीं। भारत ने इस दशक में अर्थव्यवस्था में अभूतपूर्व सुधार किए। मेक इन इंडिया ने विनिर्माण और रक्षा उत्पादन को बढ़ावा दिया। जीएसटी ने कर प्रणाली को सरल और पारदर्शी बनाया, 2025 के संशोधन से आम जनता को बड़ी राहत मिली। डिजिटल इंडिया, जनधन योजना और न्च् ने नकदी रहित लेन–देन और वित्तीय समावेशन में क्रांति ला दी। स्टार्टअप इंडिया ने नवाचार और उद्यमिता को प्रोत्साहित किया। परिणामस्वरूप भारत विश्व की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा, जबकि बेरोजगारी, ग्रामीणदृशहरी असमानता और कृषि सुधार अधूरे रहना अभी भी गंभीर चुनौती बनी हुई है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत ने अपनी नई पहचान बनाई। ळ20 समिट और शंघाई सहयोग संगठन की बैठकों में भारत ने संतुलित और निर्णायक नेतृत्व प्रस्तुत किया। रूस, चीन और पड़ोसी देशों के साथ संतुलित कूटनीतिक संबंधों ने भारत की स्थिति को मजबूत किया। अमेरिकी टैरिफ और यूरोपीय दबावों का भारत ने स्पष्ट विरोध किया, जिससे वैश्विक मंच पर उसकी भूमिका और प्रभाव बढ़ा। भविष्य की चुनौतियाँ और अवसररू पिछले दस वर्षों में राजनीतिक दृढ़ता, सांस्कृतिक आत्मगौरव और आर्थिक नवाचार ने भारत को वैश्विक परिदृश्य में निर्णायक शक्ति बना दिया। इसके बावजूद असमानता, बेरोजगारी और राजनीतिक ध्रुवीकरण जैसी चुनौतियाँ बनी हुई हैं। सनातनी संस्कृति, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सामरिक शक्ति में वृद्धि ने भारतीय जनमानस की एकजुटता और नेतृत्व की कार्यकुशलता को बढ़ाया, जिससे भारत का सम्मान और कद विश्व स्तर पर ऊँचा हुआ।

कभी कुछ मत छोड़ो, हर चीज में भगवान को शामिल करो

मुग्धा गोडसे

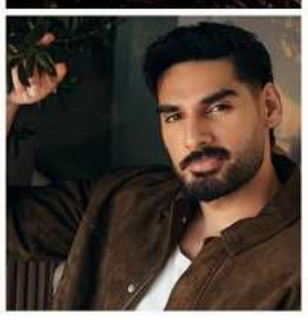

> गुरुजी से मिला अनमोल तोहफा मुग्धा ने कृष्ण वंदना का महत्व बताते हुए आगे कहा, `कृष्ण वंदना भगवान कृष्ण के 108 नामों और गुणों पर आधारित है। यह मेरे गुरुजी की तरफ से मुझे मिला एक अनमोल तोहफा है। कोविड के बाद जब मैं उनसे मिलने कनाडा गई थी, तब उनकी बहन आव्या जी मेरे साथ थीं। लोगों को कनाडा का वीजा मिलने में महीनों लग जाते हैं, लेकिन मुझे सिर्फ चार दिन में वीजा मिल गया। ऐसी कई घटनाएं हुईं, जिनसे मैं चौंकी।

फिल्म अभिनेत्री मुग्धा गोडसे अब केवल अभिनय ही नहीं, बल्कि आध्यात्म और संगीत को भी अपने जीवन का हिस्सा बना चुकी हैं। हाल ही में उन्होंने भजन गायक अविरास के साथ मिलकर मुंबई में पहली बार श्कृष्ण वंदनाश की प्रस्तुत दी। अमर उजाला से खास बातचीत के दौरान मुग्धा ने कहा, 'नवरात्रि के मौके पर लोग अलग–अलग देवी–देवताओं की पूजा करते हैं, तो क्यों न हम भगवान कृष्ण को भी याद करें? अपने गुरुजी तर्नीव जी के आशीर्वाद से मैंने यह कृष्ण वंदना गायी। इससे पहले हमने इसे दिल्ली, गोवा और मैसूर में पेश किया था और अब पहली बार मुंबई में परफॉर्म किया है'। गुरुजी से मिला अनमोल तोहफा मुग्धा ने कृष्ण वंदना का महत्व बताते हुए आगे कहा, 'कृष्ण वंदना भगवान कृष्ण के 108 नामों और गुणों पर आधारित है। यह मेरे गुरुजी की तरफ से मुझे मिला एक अनमोल तोहफा है। कोविड के बाद जब मैं उनसे मिलने कनाडा गई थी, तब उनकी बहन आव्या जी मेरे साथ थीं। लोगों को कनाडा का वीजा मिलने में महीनों लग जाते हैं, लेकिन मुझे सिर्फ चार दिन में वीजा मिल गया। ऐसी कई घटनाएं हुईं, जिनसे मैं चौंकी। मुझे लगा कि जो होना होता है, वो होकर ही रहता है। फिर दिसंबर 2021 में हमने कृष्ण वंदना की शुरुआत की। सच कहूं तो, मुझे पता ही नहीं चला कि मैं कब सिर्फ एक एक्ट्रेस से गायिका भी बन गयी'। पहली प्रस्तुति और डर पर जीत अपना पहला अनुभव याद करते हुए मुग्धा ने कहा, 'जब मैंने पहली बार गाया तो मैं बहुत नर्वस थी। गुरुजी ने अचानक मुझसे कहा कि आप गाइए। मैं थोड़ी घबरा गई, लेकिन अविरास और उनके म्यूजिशियन वहां थे। उन्होंने बजाना शुरू किया और संगीत अपने आप बन गया। वहीं से मेरे संगीत के सफर की शुरुआत हुई'। आध्यात्मिक यात्रा अपनी आध्यात्मिक यात्रा के बारे में बताते हुए मुग्धा बोलीं, 'मैं कई वर्षों से अध्यात्म से जुड़ी हूं और मैंने अपने अंदर बहुत बदलाव महसूस किए हैं। जागरूकता आई है, भक्ति गहरी हुई है। इंसान होने के नाते हम गलतियां करते हैं, लेकिन अब मुझे चीजें और अच्छे से समझ आने लगी हैं। मुझे लगता है कि मैं और विकसित हो गयी हूं'। भगवान हर चीज में हैं मुग्धा ने अपने गुरु तर्नीव का एक कथन भी साझा किया। उन्होंने कहा, 'उनकी बात मेरे दिल में हमेशा रहती है – श्कभी कुछ मत छोड़ो, हर चीज में भगवान को शामिल करो।श मुझे लगता है कि आज की युवा पीढ़ी भी इसे समझ रही है। भगवान हर चीज में हैं – पैसे में, काम में, शांति में। इसलिए हर किसी को ईमानदारी से काम करना चाहिए'। अभिनय में नया नजरिया अभिनय के बारे में मुग्धा ने कहा, 'अब मैं ऐसे रोल चुनती हूं, जिनमें गहराई हो और जो मायने रखते हों। मुझे ग्रेसफुल और अर्थपूर्ण किरदार पसंद आते हैं। बतौर आर्टिस्ट भी मैं और निपुण हो गयी हूं – जैसे पहले मुझे किसी सीन को करने के तीन तरीके आते थे, अब 10 तरीके समझ में आते हैं। इसमें नई ऊर्जा और नई क्रिएटिविटी आई है'। राहुल देव को श्रेय मुग्धा अपने पार्टनर अभिनेता राहुल देव को धन्यवाद देती हैं। उन्होंने कहा, 'राहुल की वजह से ही मेरी मुलाकात गुरुजी से हुई। इस बदलाव के पीछे उनका बहुत बड़ा योगदान है। हम दोनों एक ही आस्था से जुड़े हैं और साथ में आगे बढ़ रहे हैं'। आगे की राह अपने काम के बारे में मुग्धा ने बताया, 'मेरा साड़ी ब्रांड अच्छा चल रहा है। सिंगिंग और एक्टिंग, सबको संतुलित कर रही हूं। मेरा आने वाला प्रोजेक्ट श्ब्लैकमेलश जल्द ही रिलीज होगा। मैं सिंगिंग शो से भी जुड़ी हूं। जिंदगी अब नई संभावनाओं से भरी हुई लगती है'।

अनीत पड्डा से कावेरी कपूर तक, बॉलीवुड की नई पीढ़ी के सितारे जो इंडस्ट्री का चेहरा बदलने को हैं तैयार

बॉलीवुड में एक नई लहर चल रही है और यह अपने साथ कई नई प्रतिभाओं को लेकर आ रही है, ऐसे युवा चेहरे जो बड़े पर्दे पर अपनी छाप छोड़ने को तैयार हैं। चाहे ये स्टार किड्स हों या खुद के दम पर आगे बढ़ने वाले नए चेहरे, इन उभरते सितारों में है अलग पहचान, स्टाइल और शानदार प्रतिभा। कुछ पहले से सुर्खियों में हैं, तो कुछ अपने ग्रैंड डेब्यू की तैयारी कर रहे हैं। आइए, नजर डालते हैं बॉलीवुड की अगली पीढ़ी के उन चेहरों पर, जो आने वाले वर्षों में इंडस्ट्री की दिशा तय कर सकते हैं। अपनी शानदार स्क्रीन उपस्थिति और दिलकश व्यक्तित्व के साथ, अनीत पड्डा ने 'सैय्यारा' से हर घर में पहचान बनाई। अपनी मनमोहक परफॉर्मेंस से सबका दिल जीतने के बाद अब उन्हें बॉलीवुड की सबसे रोमांचक नई अभिनेत्रियों में गिना जा रहा है। प्रसिद्ध फिल्म निर्माता शेखर कपूर और गायिका सुचित्रा कृष्णमूर्ति की बेटी, कावेरी कपूर सिर्फ एक स्टार किड नहीं हैं–वह एक बहुमुखी कलाकार हैं। एक गायिका, गीतकार और अब अभिनेत्री के रूप में, कावेरी ने 'बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी' से शानदार डेब्यू किया। उनकी उपस्थिति पर्दे पर एक ताजगी और कलात्मक गहराई लाती है। उनके पास कई प्रोजेक्ट भी हैं, जिनमें मासूम 2 और एक सिंगल शामिल है जो जल्द ही रिलीज के लिए तैयार है। रवीना टंडन की बेटी राशा अपनी खूबसूरत पर्सनालिटी और आकर्षक लुक्स के लिए सुर्खियाँ बटोर रही हैं। अपने डेब्यू के साथ, वह सिनेमा में अपनी राह खुद बनाने की तैयारी में हैं और प्रशंसकों व फिल्म निर्माताओं दोनों की उन पर कड़ी नजर है। तड़प से धमाकेदार शुरुआत के बाद, सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी ने साबित कर दिया कि उनमें अपनी जगह बनाने का हुनर घ्है। अपनी दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और शारीरिक बनावट के साथ, उन्हें एक्शन–रोमांस के क्षेत्र में एक मजबूत दावेदार के रूप में देखा जा रहा है। शनाया पहले से ही सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं और उन्होंने आँखों की गुस्ताखियाँ से पावरहाउस विक्रांत मैसी के साथ धमाकेदार शुरुआत की है। अपने अभिनय के लिए शानदार समीक्षाएं मिलने के बाद, वह अब आनंद एल राय की सर्वाइवल थ्रिलर फिल्म तू या मैं में नजर आएंगी।अनन्या पांडे के कजिन अहान पांडे ने 'सैय्यारा' में कृष कपूर के किरदार से दर्शकों का दिल जीत लिया। उनकी परफॉर्मेंस ने उन्हें बॉलीवुड के सबसे आशाजनक नए अभिनेताओं की सूची में शामिल कर दिया है। वीर पहाड़िया ने अपनी पारिवारिक राजनीतिक बैकग्राउंड से हटकर एक अलग रास्ता अपनाया और स्काई फोर्स के साथ बड़े पर्दे पर अपनी शुरुआत की। एक रहस्यमयी आभा और कहानी कहने में गहरी रुचि के साथ, वह देखने लायक सबसे दिलचस्प नामों में से एक हैं। स्टार परिवारों से लेकर अपने दम पर पहचान बनाने वाले कलाकारों तक कृ ये सभी युवा अभिनेता बॉलीवुड के बदलते चेहरे का प्रतीक हैं। साहसी, विविधतापूर्ण और बेबाक महत्वाकांक्षी, ये नई पीढ़ी के अभिनेता अपने साथ प्रतिभा, प्रयोग और वैश्विक अपील का एक ताजा मिश्रण लेकर आ रहे हैं। जैसे–जैसे इंडस्ट्री आगे बढ़ रही है, एक बात तय है कृ बॉलीवुड का भविष्य बेहद उज्ज्वल है, और ये नाम उसकी राह रोशन कर रहे हैं।

टीवी की बालिका वधू अविका गोर शादी के बंधन में बंध गई हैं. अविका ने लॉन्गटाइम बॉयफ्रेंड मिलिंद चंदवानी से नेशनल टीवी पर शादी रचाई है. ये दोनों पति पत्नी और पंगा में नजर आ रहे हैं. इसी शो में दोनों ने शादी रचाई है. मिलिंद और अविका की शादी अगले हफ्ते टीवी पर टेलिकास्ट होगी. ये कपल 30 सितंबर को शादी के बंधन में बंधे हैं. शादी के 4 दिन बाद ही इस कपल ने खुशखबरी दे दी है. अविका गोर और मिलिंद चंदवानी ने शादी के टीवी पर टेलिकास्ट होने से पहले ही फैंस को खुशखबरी दे दी है. अविका और मिलिंद ने लोगों को ऐसा सरप्राइज दिया है कि हर कोई चौंक गया है. शुरुआत में मिलिंद भी इस बारे में बात करते हुए डर रहे थे. फिर अविका ने अपनी खुशखबरी सबके साथ शेयर की. अविका और मिलिंद लेकर आए यूट्यूब चौनल वीडियो में अविका कहती हैं– श्आज हमारी लाइफ का बहुत बड़ा दिन है. मैंने कभी नहीं सोचा था कि ये सब शादी से पहले होगा. होगा भी और हमें आपको बताना पड़ेगा.श मिलिंद कहते हैं– अविका एक बार फिर सोच ले. मुझे तो फैमिली को बताने में डर लग रहा है. वो क्या कहेंगे कि छोटी सी उम्र में ये सब कर लिया. फिर अविका कहती हैं– चार लोग बातें बनाएंगे. दुनियावालों के सामने लाने से पहले उनके ताने सुनने पड़ेंगे. मिलिंद फिर कहते हैं– इसको शादी के बाद बताएं तो? अविका ने कहा– तब तक बहुत देर हो जाएगी. लोगों को ये दिखने भी लग जाएगा. दोनों इस दौरान पूरा सस्पेंस बनाते रहे.श आखिरी में अविका ने कहा– श्बहुत जल्द हमारा छोटा सा, नन्हा सा, प्यारा सा यूट्यूब चौनल आने वाला है.श अविका और मिलिंद ने ये वीडियो अपने यूट्यूब चौनल को प्रमोट करने के लिए शेयर किया था. दोनों ने वीडियो में इतना सस्पेंस ऐसे बनाया था कि जैसे कोई और ही खुश खबरी हो.

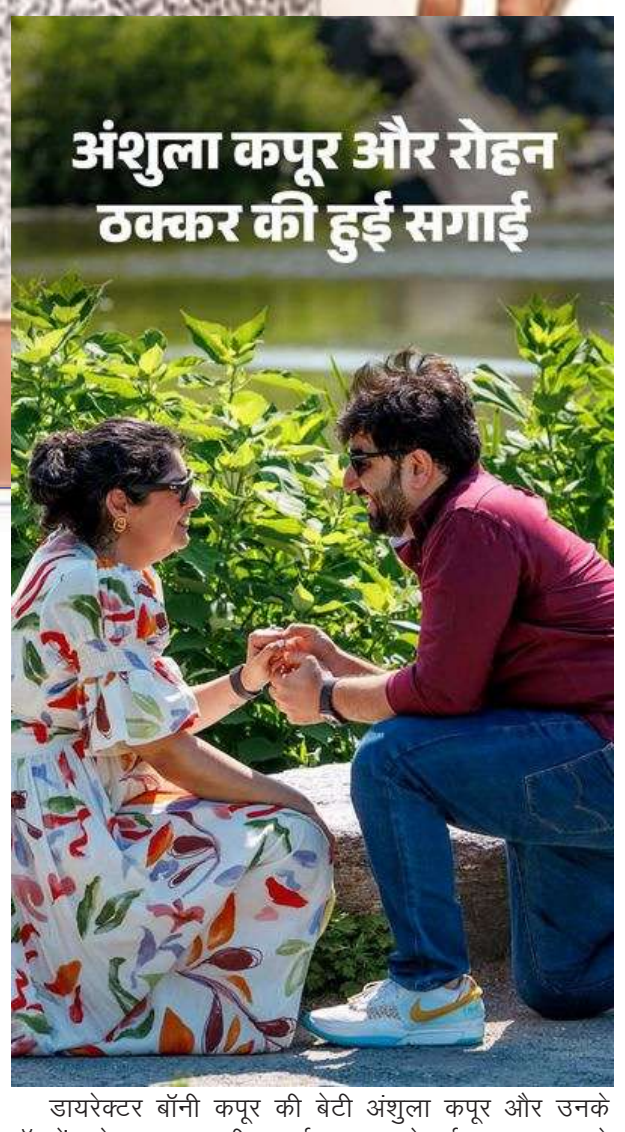

डायरेक्टर बॉनी कपूर की बेटी अंशुला कपूर और उनके बॉयफ्रेंड रोहन ठक्कर की सगाई गुरुवार को हुई। 2 अक्टूबर को बॉनी कपूर के घर पर करीबी दोस्तों और परिवार के लिए एक निजी समारोह आयोजित किया गया। बोनी कपूर अपनी बेटी की सगाई पार्टी में सिंपल ट्रेडिशनल लुक में दिखाई दिए। वहीं, फंक्शन के दौरान अर्जुन कपूर ने ट्रेडिशनल शेरवानी पहनी थी। अर्जुन ने बाहर मौजूद पैपराजी से शांत रहने की अपील की। उन्होंने कहा, ष्बारिश भी हो रही है। आप लोग शांत रहो। ज्यादा लोग नहीं हैं, केवल घर के सदस्य हैं। बिल्डिंग वालों के अपने नियम हैं। आप लोग शांति से रहो, ज्यादा आवाज मत करो।ष सोनम कपूर भी सगाई में आईं, पैपराजी को इग्नोर किया एक्ट्रेस सोनम कपूर हाल ही में अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी की खबरों को लेकर चर्चा में रहीं। हालांकि, उन्होंने इस खबर की पुष्टि या खंडन नहीं किया। अंशुला की सगाई में सोनम भी नजर आईं। पार्टी में सोनम कपूर के भाई हर्षवर्धन कपूर और बहन रिया कपूर भी स्टाइलिश लुक में पहुंचे। हर्ष ने कैजुअल आउटफिट पहना और पोज दिए, जबकि रिया ब्लैक प्रिंटेड काफ्तान में आईं, लेकिन पैपराजी के कई बार पूछने के बावजूद पोज नहीं दिया और सीधे अंदर चली गईं।

डेंगू–मलेरिया फीवर में बेहद फायदेमंद है गिलोय का सेवन, आयुर्वेद के अनुसार इस तरह खाने से मिलेगा फायदा

आमतौर पर घर हो या बाहर, मच्छर ज्यादातर लोगों के लिए परेशानी की वजह बने हुए होते हैं। लेकिन बरसात के मौसम में यह समस्या और मच्छरों की संख्या दोनों बढ़ जाती हैं। यही वो मौसम होता है, जब मच्छरों के काटने से होने वाले रोग मलेरिया,डेंगू , चिकनगुनिया, पीला बुखार लोगों को सबसे ज्यादा परेशान करते हैं। समय रहते अगर इस तरह के बुखार के लक्षणों को पहचानकर इनका इलाज न किया जाए, तो व्यक्ति की जान तक को खतरा हो सकता है। ऐसे में अपनी इम्यूनिटी को स्ट्रॉग करके इन रोगों से दूर रहने के लिए व्यक्ति को आयुर्वेद गिलोय का सेवन करने की सलाह देता है। आयुर्वेद में गिलोय को अमृत के समान उपयोगी बताया गया है।

गिलोय में मौजूद पोषक तत्व–

गिलोय में एंटी–इंफ्लेमेटरी, एंटी–ऑक्सीडेंट, एंटी–वायरल, एंटी– बायोटिक, एंटी–एजिंग,एंटी–डायबिटिक और एंटी–कैंसर गुण पाए जाते हैं। इतना ही नहीं गिलोय लंबे समय से रहने वाले बुखार को भी ठीक करने में बेहद असरदार माना गया है। यह डेंगू, स्वाइन फ्लू और मलेरिया जैसी घातक बीमारियों को ठीक करने में औषधि की तरह काम करती है। इसके नियमित सेवन से शरीर में ब्लड प्लेटलेट्स की संख्या और लाल रक्त कोशिकाओं को बढ़ाकर मलेरिया, डेंगू , चिकनगुनिया जैसे बुखार से बचाव करने में मदद मिलती है।

आयुर्वेद के अनुसार कैसे करें गिलोय का सेवन?

आयुर्वेद के अनुसार गिलोय की पत्ती के साथ उसके तने को भी रातभर पानी में भिगोकर रख दें। इसके बाद सुबह गिलोय के इस पानी को गिलोय की पत्तियों और तने के साथ आधार होने तक उबाल लें। इस उबले हुए पानी को आप छानकर पिएं।

–अगर आपके पास गिलोय की पत्तियां मौजूद नहीं हैं तो आप उसका पाउडर भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए सुबह गुनगुने पानी और शहद के साथ 1 टीस्पून गिलोय पाउडर को मिलाकर खाली पेट पिएं।

सलाह–

आमतौर पर गिलोय का सेवन करने के कोई खास साइड–इफेक्ट्स नहीं हैं, बावजूद इसके गर्भवती महिला या फिर अगर आपको कोई स्वास्थ्य समस्या है, तो इसका सेवन करने से पहले अपने डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

बारिश के मौसम में इस तरह उबालें दूध, क्या आप जानते है पीने का सही समय?

मानसून के सीजन में कोई भी सीजनल फ्लू की चपेट में आ सकता है। इन बीमारियों को होने का खतरा तब ज्यादा होता है जब आपकी इम्यूनिटी कमजोर हो। कई लोग बारिश के मौसम में भी ठंडी चीजें खाने और पीने का शौक रखते हैं। हालांकि, आयुर्वेद के मुताबिक मानसून में हल्का और गरम खाना खाने की सलाह दी जाती है। हेल्दी और हड्डियों को मजबूत रखने के लिए दूध पीने की सलाह दी जाती है। आयुर्वेद एक्ष्सपर्ट डॉक्ष्टर निकिता कोहली ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर बताया है कि मानसून में दूध कैसे पीएं।

गर्म दूध पीने से मिलेगा फायदा

आयुर्वेदिक एक्सपर्ट की मानें तो बारिश के मौसम गर्म दूध पीने की सलाह दी जाती है। यह पाचन में मदद करता है। इसके अलावा पोषक तत्वों के अवशोषण में सुधार होता है। बारिश के मौसम में गर्म दूध शरीर के ओवरऑल हेल्थ में मदद करता है।

दूध उबालने के लिए अपनाएं सही तरीका

बारिश के मौसम में दूध पीने के लिए इसे उबालने का सही तरीका अपनाना चाहिए। इसके लिए दूध में चौथाई मात्रा में पानी डालें। यह कई विकारों को दूर करने में मदद करता है।

मसाले वाला दूध है फायदेमंद

दूध में इलायची, दालचीनी, हल्दी और अदरक जैसे आयुर्वेदिक मसाले मिलाकर पी सकते हैं। ये पाचन गुणों को बढ़ा सकता है साथ ही दूध का स्वाद भी बढ़ता है। इसे पीने से आपकी इम्ध्यूनिटी में बूस्ट होती है। साथ ही बारिश में होने वाली कई बीमारियों से बचने में मदद मिलती है।

किस समय पीएं दूध

एक्सपर्ट की मानें तो दूध ब्रेकफास्ट्ट में पीना सबसे बेस्ट है। आप दूध को एक मील की तरह भी ले सकते हैं। इससे आपका सिस्ष्टम दूध को आसानी से पचा पाएगा और इससे शरीर को कई तरह के फायदे मिल सकते हैं।

15 मिनट टहलने से लेकर 1 ग्लास पानी तक...जानें कैसे बदल सकते हैं आपकी जिंदगी

जिंदगी में बड़े बदलाव अचानक से नहीं होते। इनके लिए आपको छोटे–छोटे स्टेप्स लेने होते हैं। जैसे अगर आपने 10 हजार स्टेप्स डेली टहलने का प्लान बनाया है तो खुद से उम्मीद न करें कि पहले दिन ही आप ये टारगेट पूरा कर लेंगे। अगर आप दिमाग को पॉजिटिव फीड देना चाहते हैं तो हमेशा छोटे–छोटे लक्ष्य बनाएं। इनके पूरे होने पर न्यूरॉन्स से डोपामीन रिलीज होता है। यह आपको खुशी का अहसास करवाता है। अगर आपको भी ऐसा लगता है कि जीवन उलझ सा गया है। आप जो चाह रहे हैं उसे अचीव नहीं कर पा रहे तो इन छोटी चीजों से शुरुआत करें...

एक दिन बनाएं पहले बनाएं प्लान

अगर आपको ऐसा लगता है कि दिन के 24 घंटे कम पड़ जा रहे हैं। आपके पास खुद के लिए वक्त नहीं है तो रोजाना शेड्यूल बनाएं। इससे आपका स्ट्रेस कम होगा। चीजों में स्पष्टता रहेगी। नींद और हेल्थ अच्छी रहेगी। साथ ही प्रोडक्टिविटी भी बढ़ेगी। इसके लिए हमेशा एक रात पहले ही शेड्यूल बना लें। जो काम ज्यादा इम्पॉर्टेंट हैं उन्हें लिस्ट में प्राथमिकता दें। जैसे किसी काम की डेडलाइन आ रही है तो पहले निपटा लें ताकि आखिरी वक्त पर हौचपौच न हो।

बिस्तर लगाने का पॉजिटिव असर

एक बहुत फेमस किताब है श्मेक योर बेडश। इसमें बताया गया है कि सुबह उठकर सबसे पहले बिस्तर लगाने का पूरे दिन पर कितना पॉजिटिव असर पड़ता है। ज्यादातर लोगों के लिए यह कोई बड़ा और खास काम नहीं होता है। पर इस किताब में बताया गया है कि कैसे उठकर अपना बिस्तर ठीक कर देने से दिमाग में एक टास्क पूरा करने का सिग्नल जाता है। इससे पूरे दिन की शुरुआत पॉजिटिव होती है। आपको लगता है कि दिन की शुरुआत डिसिप्लिन के साथ हुई। आप भी इसको ट्राई कर सकते हैं। सुबह के लिए कोई छोटा लक्ष्य रखें जिसे आसानी से पूरा किया जा सके।

15 मिनट करना शुरू करें वॉक

लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियां अब हर किसी की चिंता बढ़ा रही हैं। ऐक्टिव रहना और एक्सरसाइज करना हमारी हेल्थ के लिए अच्छा है। हेल्थ एक्सपर्ट्स भी रोजाना ब्रिस्क वॉक की सलाह देते हैं। आपके आसपास कई लोग 10 हजार कदम चलने का टास्क पूरा भी कर रहे होंगे। अगर आप नहीं कर पा रहे तो निराश न हों। शुरुआत सिर्फ 15 मिनट से करें। आप 15 मिनट सिर्फ वॉक करने से शुरुआत करें। इस दौरान सूरज को देखें, सुबह की हवा महसूस करें। धीरे–धीरे वॉक की स्पीड बढ़ाएं और ब्रिस्क वॉक करना शुरू करें। फिर आप टाइम बढ़ा सकते हैं। आप एक हफ्ते भी लगातार ऐसा कर लेंगे तो बिना टहले अच्छा नहीं लगेगा। कभी–कभी नंगे पैर टहलें।

बिस्तर पर ही कर लें ब्रीदिंग

हमारा इम्यून सिस्टम, दिल और फेफड़े ठीक रहें इसके लिए डीप ब्रीदिंग जरूरी है। इसको भी रुटीन में शामिल करें। जरूरी नहीं इसके लिए कोई योग क्लास जॉइन करें। ब्रीदिंग या प्राणायाम आप बिस्तर पर बैठकर भी कर सकते हैं। सोकर उठने के बाद बेड पर ही आप ब्रीदिंग एक्सरसाइज कर लें। आपका सारा आलस दूर हो जाएगा फ्रेश फील होगा।

एक ग्लास एक एक्स्ट्रा पानी

अपनी डायट में भी बड़े बदलाव करने से पहले रोज जितना पानी पी रहे हैं उससे 1 ग्लास ज्यादा पानी पीना शुरू करें। सोकर उठने के बाद ही एक ग्लास पानी पी लें क्योंकि रातभर में पानी की कमी हो जाती है। इससे आपका चेहरा भी फ्रेश रहेगा। शरीर में पर्याप्त पानी होने से भी कई इन्फेक्शंस दूर होते हैं साथ ही शरीर के अंग ठीक से काम करते हैं। धीरे–धीरे सुबह,दोपहर और शाम एक–एक ग्लास पानी बढ़ा लें।

लें क्लीन डायट

डायटिंग के बजाय क्लीन डायटिंग शुरू करें। इसमें चीनी और मैदा खाना कम कर दें। धीरे–धीरे बाहर की चीजें कम कर दें। ध्यान रहे कि एकदम से बंद न करें बल्कि कम कर दें। खुद को भूखा न रहने दें। अगर आप टाइम पर घर का बना खाना खाएंगे तो बहुत चांसेज हैं कि आपको बाहर का खाने का मन ही नहीं करेगा। जब हम ज्यादा देर भूखे रहते हैं तब ही तरह–तरह का खाने की क्रेविंग होती है।

हर हफ्ते खाएं कुछ नया हेल्दी

रूटीन में कोई पौष्टिक चीज शामिल करें। जैसे आंवला कैंडी, आंवला चटपटा। इसमें ऐसे ऐंटी ऑक्सीडेंट्स होते हैं जो हेल्थ और ब्यूटी दोनों के लिए अच्छे होते हैं। हर हफ्ते एक अलग फल खाएं। 2 तरह के ड्राई फ्रूट्स, डार्क चॉकलेट या कुछ भी हेल्दी धीरे–धीरे डायट में शामिल करके देखें।

ज्यादातर लोगों के हाथ–पैर में अक्सर दर्द रहता है। खासकर जोड़ों के दर्द को लेकर लोग परेशान होते हैं। इस दर्द की वजह से उठना–बैठना तो मुश्किल होता ही है, साथ ही चलने–फिरने में भी तकलीफ होती है। ज्यादातर लोग मौसमी बदलाव सोचकर भी इस दर्द को टाल देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपके इस दर्द की वजह बढ़ा हुआ यूरिक एसिड भी हो सकता है। इन दिनों यूरिक एसिड बढ़ने की समस्ष्या भी काफी कॉमन है। यूरिक एसिड बढ़ने से शरीर में कई तरह की समस्याएं होती रहती है। कुछ स्टडीज बताती हैं कि बढ़े हुए यूरिक एसिड की वजह से व्यक्ति को हार्ट अटैक भी आ सकता है। आइए, इस आर्टिकल में समझते हैं कि आखिर क्यों बढ़ता है यूरिक एसिड और इसके बढ़ने के बाद शरीर में क्या लक्षण दिखते हैं।

बुखार के बिना ही शरीर कांपने लगता है और ठंड लगती है तो ये कारण हो सकते हैं जिम्मेदार

कम तापमान में ठंड लगना बिल्कुल सामान्य सी बात है। किसी को बुखार हुआ है तो शरीर ठंड से कांपता है। या फिर बहुत देर तक अगर गीले कपड़े पहने रह जाए तो भी ठंड लगने लगती है क्योंकि शरीर का तापमान गीले कपड़ों की वजह से कम हो जाता है। लेकिन कुछ लोगों को बिना कम तापमान के या बुखार के ठंड लगने लगती है और वो कांपने लगते हैं। ये सिचुएशन चिंता वाली हो सकती है। इसलिए जानना जरूरी है कि आखिर क्यों बिना लो टेंपरेचर के ठंड लगने लगती है। जानें क्या है वो वजह जिससे शरीर कांपने लगता है और ठंड लगती है।

दवाओं के साइड इफेक्ट

बिना बुखार के या कम तापमान के अगर शरीर कांपने लगा है और ठंड लग रही है तो इसका कारण दवाओं का रिएक्शन हो सकता है। कई बार दवाओं की गलत डोज ठंड लगने और शरीर कांपने की वजह होती है।

कठिन फिजिकल एक्टीविटी

बहुत ज्यादा कठिन फिजिकल एक्टीविट जैसे मैराथन करने से शरीर बहुत ज्यादा थक जाता है। जिसकी वजह से बॉडी टेंपरेचर में बदलाव होता है और ठंड लगने लगती है।

हाईपोथायराइड

जब थायराइड ग्लैंड्स बहुत कम एक्टिव होती है तो हाइपोथायराइड की स्थिति रहती है। ऐसी सिचुएशन में थायराइड ग्लैंड हार्मोंस बहुत कम प्रोड्यूस करता है। जिससे कि मेटाबॉलिक रेट सही बना रहे। इससे पूरी हेल्थ पर असर पड़ता है। हाइपोथायराइड होने पर ठंड के प्रति शरीर ज्यादा संवेदनशील हो जाता है और अचानक से ठंड लगने लगती है। हाइपोथायराइड होने पर शरीर में ठंड लगने के साथ ही ये लक्षण भी दिखने लगते हैं।

–चेहरे पर सूजन
–वजन बढ़ना
–बाल, स्किन और नाखूनों का ड्राई होना
–मसल्स वीकनेस, दर्द और जकड़न महसूस होना
–डिप्रेशन और हर वक्त दुखी फील करना
–चीजें भूल जाना
–कब्ज

हाईपोग्लाइसेमिया

हाइपोग्लाइसेमिया होने पर शरीर का ब्लड शुगर लेवल अचानक से बहुत कम हो जाता है। अगर किसी को डायबिटीज है और अचानक से ठंड लगने लगती है और शरीर कांपता है तो ये हाइपोग्लाइसेमिया की निशानी है। इस सिचुएशन में दवाओं की डोज के साथ ही डाइट को मेंटेन करने की जरूरत होती है। कई बार बिना दवाओं के ही हाइपोग्लाइसेमिया की शिकायत होती है।

हाइपोग्लाइसेमिया में तुरंत ट्रीटमेंट की जरूरत होती है। जिससे कि ब्लड शुगर लेवल को सही किया जा सकते। हाइपोग्लाइसेमिया होने के लक्षण कमजोरी और शरीर कांपना है। जो ठंड जैसा महसूस होता है। हाइपोग्लाइसेमिया होने पर ये लक्षण दिखते हैं।

–पसीना आना
–चिड़चिड़ापन
–दिल जोर से धड़कना और घबराहट महसूस होना
–कंफ्यूजन
–धुंधला दिखाई देना

पोषण की कमी

शरीर में जब पोषण की कमी होती है तो कमजोरी होने के साथ ही शरीर कांपती है और ठंड लगती है।

इमोशनल रिएक्शन

कई बार बहुत ज्यादा दुखी या खुश होने या डर लगने पर भी शरीर में ठंड लगती है और कंपकंपी लगती है। कई बार बहुत ज्यादा डीप थॉट्स पॉजिटिव या निगेटिव होने पर भी ठंड लगती है।

ठंड लगने पर क्या है घरेलू उपचार

अगर ठंड लगने की वजह डायबिटीज में होने वाली हाइपोग्लाइसेमिया की शिकायत है तो ये घरेलू उपाय काम आएंगे।

फौरन ग्लूकोज की टेबलेट खाएं
या, ऑरेंज जूस पिएं
कैंडी खाएं

जिससे कि ब्लड शुगर लेवल नॉर्मल हो जाए।

दांतों में जमा प्लाक से है दिल की बीमारी का कनेक्शन, जानें घर पर साफ करने का तरीका

गंदे दांत सिर्फ आपका लुक ही नहीं बिगाड़ते बल्कि ये आपकी हेल्थ को भी बड़ा नुकसान पहुंचा सकते हैं। कई हेल्थ एक्सपर्ट्स दांतों में जमा प्लाक को हार्ट डिसीज के खतरे से जोड़कर देखते हैं। इतना नही नहीं कुछ स्टडीज में सामने आ चुका है कि इससे आर्थराइटिस और पैंक्रियाटिक कैंसर तक का खतरा होता है। क्या आपने कभी सोचा कि आखिर यह प्लाक बनता कैसे है? अगर आप अब तक दांतों की साफ–सफाई को लेकर लापरवाही बरतते रहे हैं तो यहां जानें आपकी हेल्थ को क्या खतरा हो सकता है।

शरीर के अंदर पहुंच सकत्रे हैं मुंह के बैक्टीरिया

ज्यादातर लोग सोचते हैं कि दांतों की सफाई सिर्फ सुबह उठकर ब्रश कर लेने तक ही सीमित होती है। लोग ध्यान नहीं रहते और दांतों में धीरे–धीरे प्लाक जमा होने लगता है। यह प्लाक आपके मसूड़ों में इन्फेक्शन, मुंह की बदबू, दांत कमजोर होने की वजह बनता है। मसूड़ों में दर्द, दांतों में ठंडा–गरम लगना, खून आना वगैरह इसके कई लक्षण हो सकते हैं। इसके अलावा एक्सपर्ट्स का मानना है कि मुंह के ये बैक्टीरिया ब्लड के साथ शरीर के अंदर पहुंचकर ब्लड वेसेल्स में इनफ्लेमेशन पैदा करते हैं। इससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा हो सकता है। हालांकि इन आशंकाओं पर और शोध होने की जरूरत है।

कैसे जमता है प्लाक

दांतों में प्लाक जमा होना सामान्य है। यह हर किसी के दांतों में जमा होता है। प्लाक में बैक्टीरिया की कॉलोनी होती है। यह बचे हुए खाने के अंश और लार का मिश्रण होता है। हम जो खाते हैं उसके कार्बोहाइड्रेट, स्टार्च वगैरह से ये बैक्टीरिया अपना फूड लेते हैं। यह डिकंपोज होकर एक चिपचिपी एसिड की फिल्म में बदल जाता है जो प्लाक होता है। प्लाक का कोई रंग नहीं होता लेकिन अगर आप इसकी सफाई नहीं रखते तो यह टार्टर के रूप में जमा हो जाता है। यह ब्रश करने से नहीं जाता बल्कि डेंटिस्ट से स्केलिंग करवानी पड़ती है।

खाने के बाद जरूर करें कुल्ला

प्लाक से बचने का सबसे अच्छा तरीका है कि बैक्टीरिया को मुंह में सर्वाइव करने का मौका न दिया जाए। आप कुछ खाते हैं, खासकर जिसमें शुगर हो तो उसके बाद पानी से कुल्ला जरूर करें। सुबह उठकर और रात में सोने से पहले ब्रश करना जरूरी है वर्ना दांतों में फंसा खाना रातभर में मुंह में सड़ांध पैदा करके बैक्टीरिया को फीड करता है।

प्लाक हटाने का घरेलू उपाय

अगर आप जीभ साफ करते हैं तो अच्छी बात है लेकिन दांतों में फ्लॉस करना भी शुरू करें। फ्लॉस से दांतों में फंसा खाना निकलता है। डेंटिस्ट की सलाह पर फ्लॉस खरीद सकते हैं। फ्लोराइड वाला पेस्ट करें और इसे थोड़ी देर मुंह में रहने दें। घरेलू उपचार की बात करें तो माना जाता है कि बेकिंग सोडा मुंह के बैक्टीरिया को मारता है। इसके लिए आप कुल्ला करने के बाद बेकिंग सोडा लगाकर ब्रश करें इसे करीब 15 मिनट मुंह में छोड़े फिर पानी से साफ कर लें। खाने के बाद सौंफ या लौंग खा सकते हैं।

संक्षिप्त

ट्रंप की चीन पर 100% टैरिफ घोषणा से अमेरिकी शेयर बाजार धड़ाम, वॉल स्ट्रीट में दिखी ऐतिहासिक गिरावट

नई दिल्ली। राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से चीन पर 100 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा के बाद अमेरिकी शेयर बाजारों में भारी बिकवाली देखी गई। इस कदम से विश्व की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच नए सिरे से व्यापार युद्ध छिड़ने की आशंकाएं फिर से पैदा हो गई हैं। शुक्रवार को बंद होने पर नैस्डैक में 3.56 प्रतिशत की गिरावट आई, डाउ जोन्स में 878. 82 अंक की गिरावट आई और एसएंडपी 500 में 2.71 प्रतिशत की गिरावट देखी गई। डाउ जोंस 878.82 अंक या 1.90 प्रतिशत की गिरावट के साथ 45,479.60 पर बंद हुआ। एसएंडपी 500 182.60 अंक या 2.71 प्रतिशत की गिरावट के साथ 6,552. 51 पर और नैस्डैक 820.20 अंक या 3.56 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,204.43 पर बंद हुआ। अमेरिकी शेयर बाजार से 1. 5 ट्रिलियन डॉलर से अधिक का बाजार मूल्य समाप्त हो गया। वहीं क्रिप्टोकरेंसी बाजार में 19 अरब डॉलर का परिसमापन हुआ, जो अब तक का सबसे बड़ा एकल–दिवसीय आंकड़ा है। यह बिकवाली वाशिंगटन और बीजिंग के बीच बढ़ते तनाव और संभावित वैश्विक आर्थिक नतीजों को लेकर निवेशकों की चिंता को दर्शाती है। राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा कि नए टैरिफ 1 नवंबर, 2025 से प्रभावी होंगे। ट्रंप ने कहा कि इस तथ्य के आधार पर कि चीन ने यह अभूतपूर्व रुख अपनाया है, और केवल अमेरिका की ओर से बोल रहा हूं, अन्य देशों की ओर से नहीं, जिन्हें इसी तरह की धमकी दी गई थी, 1 नवंबर, 2025 से (या इससे पहले, अगर चीन की ओर से और कोई कदम उठाया गया) अमेरिका चीन पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाएगा, जो वर्तमान में उनके द्वारा चुकाए जा रहे किसी भी टैरिफ के अतिरिक्त होगा। इसके अलावा, 1 नवंबर से हम सभी महत्वपूर्ण सॉफ्टवेयर पर निर्यात नियंत्रण लगाएंगे। यह घोषणा ट्रंप की ओर से चीन पर श्दुनिया को एक अत्यंत शत्रुतापूर्ण पत्रश भेजकर व्यापार पर असाधारण रूप से आक्रामक रुख अपनाने का आरोप लगाने के बाद की गई। इससे पहले शुक्रवार को ट्रम्प ने कहा था कि चीन द्वारा रेयर अर्थ तत्वों पर व्यापक नए निर्यात नियंत्रण लगाए जाने के बाद चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मिलने का कोई कारण नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी थी कि अमेरिका कड़े उपायों के साथ जवाब देने की तैयारी कर रहा है, जिसमें चीनी वस्तुओं पर भारी टैरिफ वृद्धि भी शामिल है। चीन, जो स्मार्टफोन, इलेक्ट्रिक वाहन और लड़ाकू जेट जैसे उत्पादों में उपयोग किए जाने वाले रेयर अर्थ के वैश्विक प्रसंस्करण में अग्रणी है, ने प्रतिबंधित खनिजों की अपनी सूची का विस्तार किया है। इसमें पांच नए तत्व, होल्मियम, एर्बियम, थुलियम, यूरोपियम और यटरबियम को शामिल किया गया, जिससे कुल 17 दुर्लभ मृदा प्रकारों में से 12 हो गए। अब निर्यात लाइसेंस न केवल तत्वों के लिए बल्कि खनन, प्रगलन और चुंबक उत्पादन से संबंधित प्रौद्योगिकियों के लिए भी आवश्यक होगा। ये घटना अमेरिका– चीन व्यापार तनाव में तीव्र वृद्धि को दर्शाते हैं और इससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं और प्रौद्योगिकी उद्योगों पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में चिंताएं बढ़ गई हैं।

टाटा कैपिटल और एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने तोड़े रिकॉर्ड, भारत बना दुनिया का चौथा सबसे बड़ा आईपीओ बाज

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजारों में इस हफ्ते आई ताबड़तोड़ आईपीओ की बाढ़ ने एक बार फिर साबित कर दिया है निवेश भारत की विकास कहानी में मजबूत विश्वास दिखा रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि यह जोश ऐसे समय में देखने को मिला है जब निफ्टी और सेंसेक्स पिछले 13 महीनों से कोई रिटर्न नहीं दे पाए हैं। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, इस साल भारत में प्राइमरी मार्केट में रिकॉर्ड स्तर पर फंड्स का प्रवाह देखने को मिला है, जो निवेशकों के बीच देश की आर्थिक संभावनाओं को लेकर बढ़ते भरोसे को दर्शाता है। बैंकिंग और बाजार विशेषज्ञ अजय बग्गा ने बताया कि आईपीओ में यह उछाल, विशेष रूप से टाटा कैपिटल और एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के ब्लॉकबस्टर निर्गमों के साथ, स्पष्ट रूप से भारतीय विकास की कहानी में घरेलू निवेशकों के गहरे और अटूट विश्वास को दर्शाता है। यह एक शक्तिशाली संकेत है कि स्थानीय पूंजी न केवल प्राथमिक बाजार का समर्थन कर रही है, बल्कि सक्रिय रूप से उसे आगे बढ़ा रही है। वैश्विक अस्थिरता और द्वितीयक बाजार से विदेशी पूंजी के बहिर्वाह को संतुलित कर रही है। व्हाइटओक कैपिटल के एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर और सीईओ आशिष पी. सोमैया ने कहा कि बाजार में निवेश की अच्छी–खासी रकम फिलहाल प्रतीक्षा में है और निवेशक नए अवसरों की तलाश में हैं। उन्होंने कहा कि जब सेकेंडरी मार्केट काफी ऊपर चली जाती है और अब वहां से सीमित रिटर्न मिल रहे हों, तब निवेशक आईपीओ जैसे नए विकल्पों की ओर रुख करते हैं। टाटा कैपिटल के आईपीओ के बारे में चर्चा है कि यह प्राइवेट मार्केट डील्स की तुलना में छूट पर आ सकता है, जिससे निवेशकों को इसमें आकर्षण दिख रहा। उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान माहौल में व्हाइट गुड्स और कंज्यूमर सेक्टर को मजबूत रुझान का फायदा मिल रहा है। टाटा एनबीएफसी और एलजी जैसे बड़े ब्रांड इस सकारात्मक माहौल के प्रमुख लाभार्थी हैं, इसलिए इनके आईपीओ में उत्साह दिखना स्वाभाविक है। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, जुटाई गई धनराशि के मामले में भारत दुनिया भर में चौथा सबसे बड़ा आईपीओ बाजार बनकर उभरा है। यह केवल अमेरिका, हांगकांग और चीन से पीछे है। कुछ ऐतिहासिक मानकों और उच्च गतिविधि की विशिष्ट अवधियों में, भारत वैश्विक स्तर पर तीसरे सबसे बड़े प्राथमिक बाजार के रूप में भी स्थान रखता है। सार्वजनिक होने की योजना बना रही कंपनियों की मजबूत पाइपलाइन से पता चलता है कि भारत का स्थान वैश्विक स्तर पर शीर्ष पर बना रहेगा।

संघर्षों से स्टारडम तक, मैदान और निजी जीवन की चुनौतियों से यूं लड़े हार्दिक पांड्या

भारतीय टीम के प्रमुख खिलाड़ी हार्दिक पांड्या आज यानी की 11 अक्तूबर को अपना 32वां जन्मदिन मना रहे हैं। हार्दिक ने अपनी मेहनत के दम पर जो मुकाम हासिल किया, वह हर किसी को आसानी से नसीब नहीं होता है। हालांकि हार्दिक पांड्या के लिए यहां तक पहुंचना इतना आसान नहीं था। लेकिन उन्होंने अपने संघर्षों को भी खुलकर जिया। उन्हों ने मुश्किल परिस्थितियों का सामना किया और मेहनत के दम पर जो शोहरत हासिल की। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर हार्दिक पांड्या के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और परिवार

गुजरात के सूरत शहर में एक साधारण परिवार में 11 अक्तूबर 1933 को हार्दिक पांड्या का जन्म हुआ था। इनके पिता हिमांशु गुजरात के सूरत में फाइनेंस का व्यापार करते थे। फिर साल 1998 में उनके पिता ने यह काम बंद कर दिया और परिवार के साथ वडोदरा आ गए। पिता हिमांशु खुद एक क्रिकेट प्रेमी रहे और हार्दिक को भी पिता से क्रिकेटर बनने की प्रेरणा मिली। घर की स्थिति सही नहीं होने के बाद भी हार्दिक पांड्या और उनके भाई किरण मोरे अकादमी में भेजा, यहीं से हार्दिक के क्रिकेटर बनने की जर्नी शुरू हुई।

मुंबई इंडियंस की टीम में हुए शामिल

साल 2015 में आईपीएल की मुंबई इंडियंस की टीम ने हार्दिक पांड्या को खरीद लिया। मुंबई के साथ जुड़ने के बाद उनको भारतीय टीम में एंट्री की और साल 2016 में हार्दिक ने भारत के लिए अपना पहला मैच खेला था। भारतीय टीम में तेज गेंदबाजी की कमी को हार्दिक पांड्या ने भर दिया था। साल 2018 में हार्दिक ने ऑलराउंडर के रूप में खुद को पहचान दिलाई और साल 2018 में एशिया कप से उनका सफर शुरू हुआ था। लेकिन यह सीजन हार्दिक के लिए अच्छा नहीं रहा।

ट्रोलर के निशाने पर आए हार्दिक

पाकिस्तान के खिलाफ हार्दिक के पीठ में चोट लग गई थी। जिसके बाद हार्दिक कुछ मैच मिस कर बैठे और फिर जब उनकी टीम इंडिया में वापसी हुई तो वह एक बार फिर चोटिल हो गए। साल 2021 टी20 विश्व कप में हार्दिक के चुने जाने को लेकर काफी आलोचना हुई। उस समय हार्दिक न बल्ले और न गेंद से कुछ कर पा रहे थे। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच हारकर टीम इंडिया फिर विश्व कप से बाहर हो गई और फिर हर किसी ने हार्दिक को निशाना बनाना शुरू किया था। फिटनेस का साथ न मिल पाने के कारण हार्दिक को टीम से बाहर कर दिया गया था। इसके बाद हार्दिक पांड्या ने कड़ी ट्रेनिंग की और फिर प्ल्स के जरिए क्रिकेट मैदान पर वापसी की और हार्दिक पांड्या ने अपनी कप्तानी में गुजरात टाइटंस को पहली बार खिताब जिताया था।

महिला वनडे विश्व कप में 47 साल में आस्ट्रेलिया को सिर्फ तीन बार हरा सकी है भारतीय टीम

भारतीय टीम महिला वनडे विश्व कप में पदार्पण के बाद से पिछले 47 साल में सात बार की चौम्पियन आस्ट्रेलियाई टीम को महज तीन बार हरा सकी है और आखिरी बार 2017 में इंग्लैंड में हुए टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में मिली जीत की सूत्रधार 171 रन बनाने वाली हरमनप्रीत कौर थी जिनका बल्ला इस बार अभी तक खामोश है। भारत और आस्ट्रेलिया के बीच एक दिवसीय महिला विश्व कप में अब तक बारह मुकाबले खेले गए हैं जिनमे से नौ बार आस्ट्रेलिया (1978, 1982 में दो मैच, 1993, 1997, 2000, 2005, 2017 ,2022) ने जीत दर्ज की है जबकि भारत तीन बार (2009 में दो बार और 2017) ही जीत सका है। विश्व कप में आस्ट्रेलिया पर पहली जीत के लिये इकतीस साल तक इंतजार करने वाली भारतीय टीम की सबसे बड़ी जीत इंग्लैंड में 2017 में सेमीफाइनल में रही। आस्ट्रेलिया ने ग्रुप चरण में मेग लानिंग (76) और एलिसे पैरी (दो विकेट) के प्रदर्शन के दम पर पूनम राउत के शतक को बेकार करते हुए भारत को आठ विकेट से हराया। भारत ने सेमीफाइनल में सारे बदले चुकता करते हुए आस्ट्रेलिया को 36 रन से मात दी और जीत की सूत्रधार रही मौजूदा कप्तान हरमनप्रीत और स्पिनर दीप्ति शर्मा। हरमनप्रीत के 115 गेंद में 171 रन की मदद से भारत ने 42 ओवर में चार विकेट पर 281 रन बनाये।जवाब में आस्ट्रेलियाई टीम 40.1 ओवर में 245 रन पर आउट हो गई जिसमें दीप्ति ने तीन विकेट चटकाये। फाइनल में इंग्लैंड ने भारत को नौ रन से हराया। भारतीय महिला टीम ने पहली बार विश्व कप में आस्ट्रेलिया को 2009 में हराया और वह भी उसकी ही धरती पर। पहले सुपर सिक्स चरण में और फिर तीसरे स्थान के मुकाबले में। अंजुम चोपड़ा ने सुपर सिक्स मैच में 137 गेंद में 76 रन बनाये जबकि गौहर सुल्ताना और रीमा मल्होत्रा ने दो दो विकेट लिये। इसके बाद तीसरे स्थान के प्लेआफ मुकाबले में भी सिडनी में भारत ने आस्ट्रेलिया का तिलिस्म फिर तोड़ा जब कप्तान झूलन और प्रियंका रॉय के दो दो विकेट की मदद से भारत ने तीन विकेट से जीत दर्ज की। महिला वनडे विश्व कप की शुरूआत यूं तो 1973 में हुई लेकिन भारत ने पदार्पण 1978 में किया और आस्ट्रेलिया की टक्कर पहली बार इसी विश्व कप में पटना के मोईनुल हक स्टेडियम में हुई। यह विश्व कप दक्षिण अफ्रीका में होना था लेकिन रंगभेद के चलते उसके बहिष्कार के कारण भारत को इसकी मेजबानी मिली। भारत, आस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड की भागीदारी के बीच खेले गए टूर्नामेंट में मार्गरिट जेनिंग्स की कप्तानी वाली आस्ट्रेलियाई टीम ने और डायना एडुल्जी की भारतीय टीम को 71 रन से हराया था।

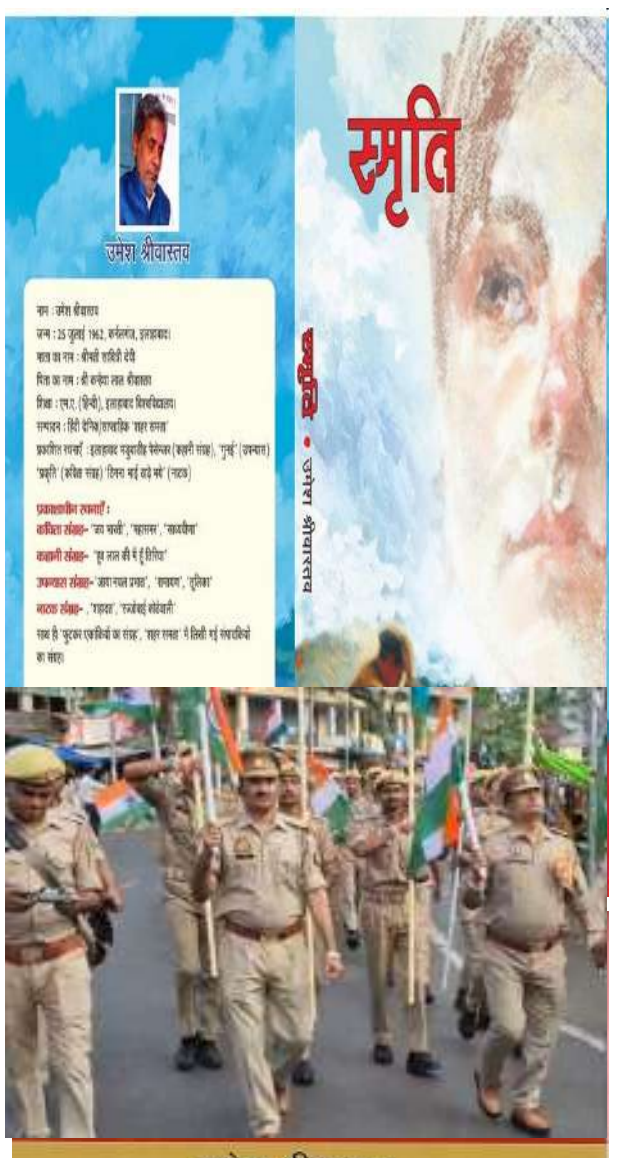

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

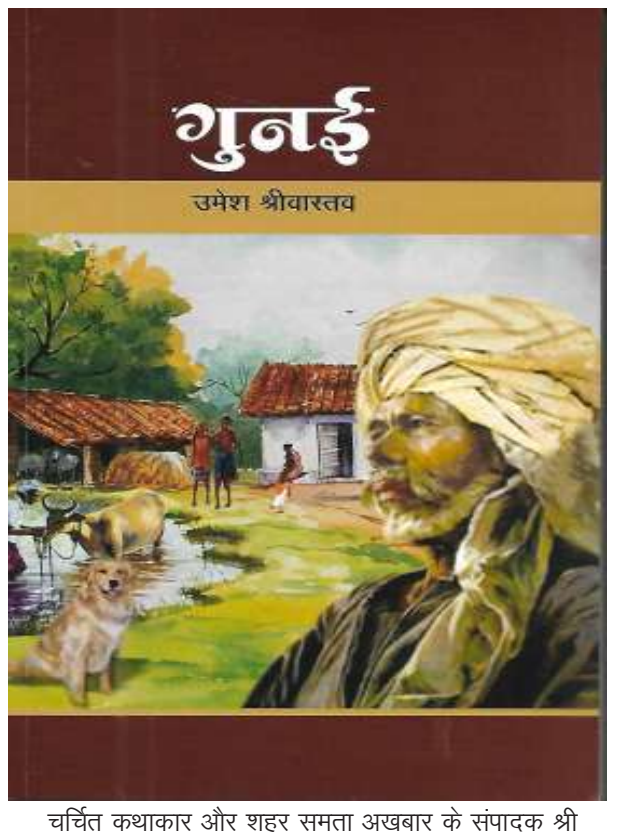

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

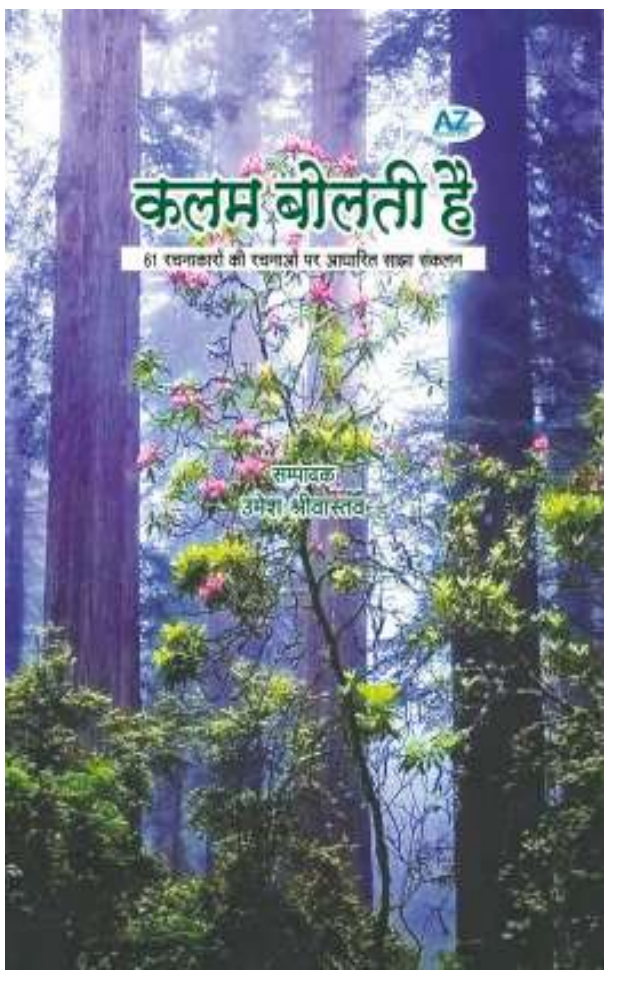

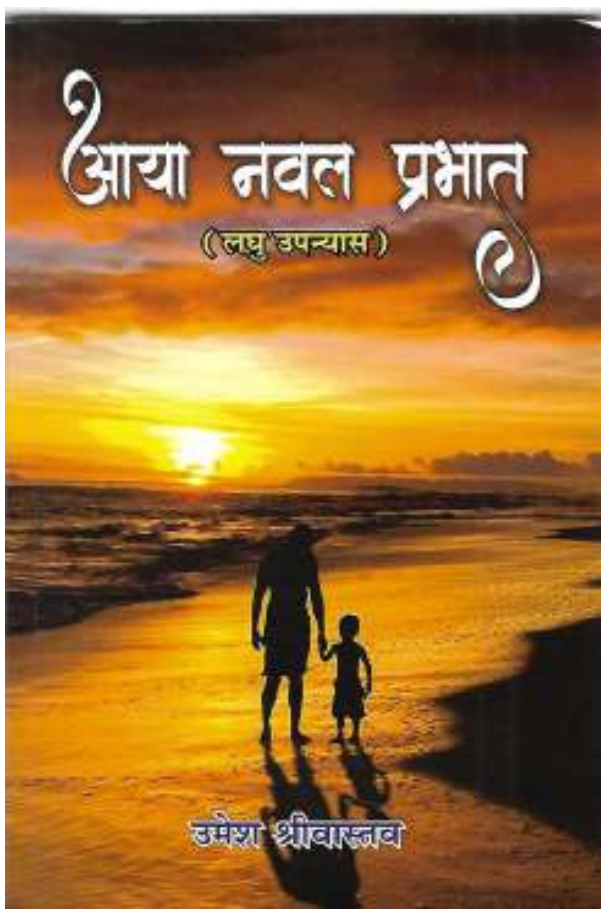

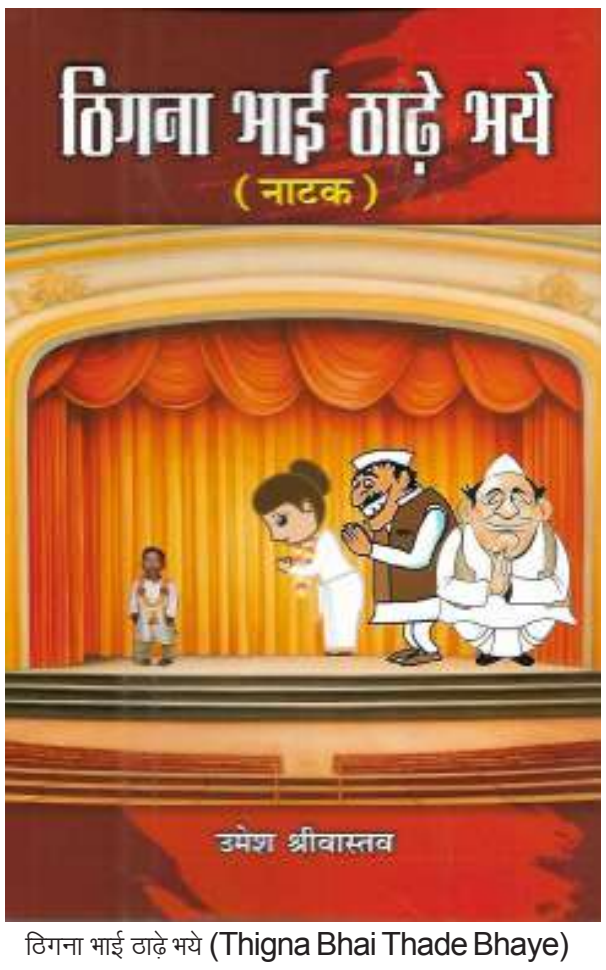

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप को उकसा रहे पुतिन, रूस ने यूक्रेनी शहरों पर फिर बरसाए बम

24 फरवरी 2022 को रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू हुआ और 11 अक्टूबर को को तीन साल से ज्यादा इस जंग को गुजर चुके हैं। इन सालों में यूक्रेन के कई शहर भूतिया शहर में तब्दील हो चुके हैं। कुछ आंकड़े कहते हैं कि 20 लाख से ज्यादा लोग यूक्रेन छोड़ दूसरे देश चले गए और अभी भी युद्ध जारी है। दो खेमे में बंटा विश्व कुछ रूस के साथ है तो कुछ अमेरिका के साथ है। लेकिन ऐसा लगता है कि कोई भी नहीं चाहता कि ये युद्ध रुके क्योंकि अगर रोकते तो ये युद्ध रूक चुका होता। लेकिन

कोई कोशिश ही नहीं कर रहा है। आपदा में अवसर वाली कहावत तो आपने सुनी ही होगी। यूक्रेन युद्ध की मार झेल रहा है, लेकिन जिन देशों की वजह से रूस से टक्कर लेने की बात हुई वो देश अमेरिका, यूरोप और नाटो हाथ पर हाथ धड़े बैठे मौज ले रहे हैं। युद्ध से पहले सभी यूक्रेन की जी जान से मदद की बात करते रहे। लेकिन युद्ध शुरू होते ही आधा अधूरा मदद करके हाथ झाड़ रहे हैं। आज की तारीख में यूक्रेन ऐसे दोराहे पर खड़ा होकर मदद की राह देख रहा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने कहा कि 10 अक्टूबर की रात से यूक्रेन पर रूस के हमलों ने देश भर में ऊर्जा ढाँचे को निशाना बनाया, जिससे कीव और अन्य शहरों के कुछ हिस्सों में बिजली गुल हो गई। यूक्रेन की राज्य आपातकालीन सेवा द्वारा जारी फुटेज में आपातकालीन टीमों को राजधानी में एक आवासीय इमारत से लोगों को निकालते और आग बुझाते हुए दिखाया गया है। ज़ेलेंस्की ने इस हमले को ष्निंदनीय और सुनियोजितष् बताते हुए कहा कि देश भर में ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर 450 से ज़्यादा ड्रोन और 30 मिसाइलें दागी गईं। स्थानीय मीडिया ने बताया कि इन हमलों में यूक्रेन भर में 20 लोग घायल हुए हैं, जिनमें दक्षिणी शहर ज़ापोरिज्जिया में एक 7 साल के बच्चे की मौत हो गई।

फिर घूमा ट्रंप का दिमाग, चीन पर ठोक दिया 100 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ

भारत समेत दुनियाभर के देशों पर भारी भरकम टैरिफ थोपने वाले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अब चीन पर भी 100 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया। ट्रंप ने चीन के खिलाफ नए व्यापारिक फैसले का ऐलान करते हुए कहा कि 1 नवंबर से सभी चीनी आयातों पर 100 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाया जाएगा। साथ ही अमेरिका में निर्मित महत्वपूर्ण सॉफ्टवेयर पर सख्त निर्यात नियंत्रण लगाने की बात कही है। ट्रंप के इस फैसले के बाद ऐसी आशंका जताई जा रही है कि ये कदम दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाों के बीच तनाव को और बढ़ा सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में बीजिंग पर व्यापार के मामले में आक्रमक रूख अपनाने का आरोप लगाया और चेतावनी दी कि अमेरिका भी उसी तरह जवाब देगा। ट्रुथ सोशल पर एक लंबी पोस्ट में ट्रंप ने चीन पर अगले महीने से अपने हर उत्पाद पर श्बड़े पैमाने पर निर्यात नियंत्रणश लगाकर व्यापार पर श्अत्यंत आक्रामक रुखश अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इसका असर सभी देशों पर पड़ेगा, और चीन ने यह योजना वर्षों पहले ही बना ली थी। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में ऐसा बिल्कुल नहीं सुना गया है और अन्य देशों के साथ व्यवहार में यह एक नैतिक अपमान है। उन्होंने आगे कहा कि यह विश्वास करना असंभव है कि चीन ने ऐसा कदम उठाया होगा, लेकिन उन्होंने उठाया है और बाकी सब इतिहास है। हालाँकि उन्होंने चीन पर और टैरिफ लगा दिए हैं, लेकिन ट्रंप ने कहा कि उन्होंने अपने चीनी समकक्ष शी जिनपिंग के साथ अपनी प्रस्तावित बैठक रद्द नहीं की है। हालाँकि, जब व्हाइट हाउस में पत्रकारों ने उनसे पूछा कि क्या वह अतिरिक्त टैरिफ हटाएँगे, तो ट्रंप ने कहा कि उन्हें देखना होगा कि क्या होता है। उन्होंने कहा कि इसीलिए मैंने इसे 1 नवंबर की तारीख़ पर रखा है। उन्होंने कहा कि नहीं, मैंने इसे रद्द नहीं किया है। हालाँकि, मुझे यकीन नहीं है कि हम इसे कर पाएँगे या नहीं। मैं वहाँ ज़रूर जाऊँगा। मुझे लगता है कि हम इसे कर पाएँगे। लेकिन, उन्होंने दुनिया को एक झटका दिया। यह चौंकाने वाला था। अचानक, उन्होंने आयात–निर्यात की यह पूरी अवधारणा गढ़ी, और किसी को इसके बारे में कुछ पता ही नहीं था।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पूरी तरह से स्वस्थ हैं : चिकित्सक

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 'वॉल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर' में स्वास्थ्य जांच कराई, जिसके बाद उनके चिकित्सक ने कहा कि राष्ट्रपति पूरी तरह स्वस्थ हैं। शुक्रवार को ट्रंप ने बेटेस्डा, मैरीलैंड स्थित अस्पताल में लगभग तीन घंटे बिताए। उनके चिकित्सक नेवी कैप्टन सीन बारबाबेला ने इसे 'नियमित जांच' बताया। इस दौरान ट्रंप ने सालाना फ्लू और कोविड–19 का बूस्टर टीका भी लगवाया। डॉ. बारबाबेला ने शुक्रवार रात व्हाइट हाउस की ओर से जारी मेमो में लिखा, 'राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप बिल्कुल स्वस्थ हैं। उनके हृदय, फेफड़े, तंत्रिका तंत्र और अन्य अंग ठीक हैं।' उन्होंने कहा कि ट्रंप की एडवांस इमेजिंग, लैब टेस्टिंग आदि संबंधी स्वास्थ्य जांच की गईं। बारबाबेला ने यह भी बताया कि उन्होंने ट्रंप की हृदय आयु का भी आकलन किया, जो उनकी वास्तविक आयु की तुलना में लगभग 14 वर्ष जवां पाया गया है। ट्रंप 79 वर्ष के हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

.919450482227

हवा में ही गला घोंट देंगे, पुतिन की ट्रंप को अब तक की सबसे बड़ी धमकी

डोनाल्ड ट्रंप ने लाख कोशिश की कि यूक्रेन और रूस का युद्ध खत्म हो जाए लेकिन पुतिन ने आईना दिखाते हुए डोनाल्ड ट्रंप की बात को न सिर्फ दरकिनार कर दिया बल्कि ये तक कह दिया कि वो किसी शर्तों के आगे झुकने वाले नहीं है। ट्रंप ने पुतिन को अपने घर बुलाया। अलास्का में बैठक करवाई। लेकिन उसके बाद भी पुतिन डोनाल्ड ट्रंप की शर्तो के आगे झुके नहीं। अब ऐसे में ट्रंप इस कदर बौखला गए हैं कि वो पुतिन के खिलाफ नई नई रणनीति अपना रहे हैं और यूक्रेन को भरपूर हथियार भी पहुंचा रहे हैं। अमेरिका के इस कदम से रूस भड़क उठा है। यूक्रेन को लेकर पुतिन की अब तक की सबसे बड़ी धमकी सामने आई है। मसला इस बात से शुरू हुआ कि अमेरिका ने रूस के खिलाफ एक नई घोषणा की है, जिसके हिसाब से यूक्रेन को टॉम क्रूज मिसाइलें मिलेंगी। इसी को लेकर मॉस्को ने बड़ी चेतावनी दी है। रूसी संसद की रक्षा समिति के प्रमुख आंद्रेई कार्तापोलोव ने कहा कि अगर वाशिंगटन यूक्रेन को टॉमहॉक दे देता है। तो रूस उन

मिसाइलों को हवा में ही ध्वस्त कर देगा और लॉन्च साइट्स पर हमला करेगा। हम इन मिसाइलों को अच्छी तरह जानते हैं, ये कैसे उड़ती हैं, इन्हें कैसे मार गिराया जाता है; हमने सीरिया में इनके साथ काम किया है, इसलिए इसमें कुछ भी नया नहीं है। समस्याएँ केवल उन लोगों के लिए होंगी जो इन्हें आपूर्ति करते हैं और जो इन्हें इस्तेमाल करते हैं; समस्याएँ वहीं होंगी। कार्तापोलोव के हवाले से यह भी कहा गया कि मास्को को अभी तक इस बात के कोई संकेत नहीं मिले हैं कि यूक्रेन टॉमहॉक्स के लिए प्रक्षेपण स्थल तैयार कर रहा है। उन्होंने कहा कि अगर कीव को ऐसी मिसाइलें मिलती हैं, तो वह इसे छिपा नहीं पाएगा। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा हुआ, तो रूस किसी भी लॉन्चर को नष्ट करने के लिए ड्रोन और मिसाइलों का इस्तेमाल करेगा। उनका बयान न सिर्फ सैन्य भाषा में कठोर था बल्कि स्पष्ट रूप से चेतावनी थी कि कोई भी ऐसा कदम भयानक परिणाम में बदल देगा। इसके साथ ही रूसी विदेश अधिकारी सर्गेई रयाबकोव ने वॉशिंगटन को धमकाते हुए कहा कि टॉमहॉक मिसाइल देना गंभीर फैसला है। अमेरिका इस फैसले पर सोचे। ये कदम सिर्फ मदद नहीं होगा बल्कि युद्ध की प्रकृति को ही बदल देगा। हम ऐसा हथियार की बात कर रहे हैं जिसकी मारक क्षमता और रेंज ने युद्ध के नक्शे को बदल देने की ताकत रखती है।

गाजा में युद्ध विराम समझौता लागू होने के बाद अपने घरों की ओर लौटे हजारों फलस्तीनी

अमेरिका की मध्यस्थता में हुए युद्धविराम समझौते के लागू होने के बाद शुक्रवार को हजारों फलस्तीनी उत्तरी गाजा लौटे। इस समझौते से इजराइल और हमास के बीच युद्ध का अंत होने की उम्मीदें बढ़ गई हैं। हमास की ओर से शेष सभी बंधकों को कुछ ही दिन में रिहा कर दिया जाएगा। समझौते के बावजूद यह सवाल बरकरार है कि इजराइली सैनिकों के धीरे–धीरे पीछे हटने के बाद गाजा पर शासन कौन करेगा और क्या हमास अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की युद्धविराम योजना के अनुसार हथियार डालेगा। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मार्च में युद्धविराम समझौता एकतरफा तरीके से समाप्त कर दिया था। उन्होंने इस बार भी संकेत दिया कि अगर हमास हथियार नहीं डालता है तो इजराइल आक्रमण फिर से शुरू कर सकता है। युद्ध की शुरुआत

सात अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा इजराइल पर किए गए हमले से हुई जिसमें लगभग 1,200 लोग मारे गए थे और 251 लोगों को बंधक बना लिया गया था। इजराइल के जवाबी सैन्य हमले में हजारों फलस्तीनी मारे गए, गाजा तबाह हो गया और वैश्विक राजनीति में उथल–पुथल मच गई। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, गाजा में 67,000 से अधिक फलस्तीनी मारे गए हैं और लगभग 170,000 घायल हुए हैं। शेष 48 बंधकों को सोमवार तक रिहा कर दिया जाएगा जिनमें से लगभग 20 के जीवित होने की उम्मीद है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शुक्रवार को कहा कि अगले चरण में हमास को निरस्त्र और गाजा को विसैन्यीकृत कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमास इस समझौते पर तभी राजी हुआ ''जब उसे लगा कि तलवार अब भी उसकी गर्दन पर लटक रही है।'' एक इजराइली सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि सेना गाजा के लगभग 50 प्रतिशत हिस्से पर नियंत्रण रखेगी।

इजरायली आर्मी का बड़ा एक्शन, पूर्व पाकिस्तानी सीनेटर को उठाया

गाजा की तटवर्ती सड़क पर इंसानों का सैलाब उमड़ पड़ा है। 6 महीने की लगातार बमबारी और तबाही के बाद जब दोपहर 12 बजे युद्धविराम लागू हुआ, तो जैसे पूरा इलाका पहली बार चौन की सांस ले सका। हजारों फिलिस्तीनी अपने बच्चों और बचे–खुचे सामान के साथ खान यूनिस, नुसेरात और राफेह से होते हुए गाजा सिटी की ओर लौटे। शेख रदवान इलाके के लोगअपने घर पहुंचे तो उनकी आंखों में राहत और दर्द दोनों थे। उन्होंने कहा

कि मेरे घर का सिर्फ निशान मिला है... पूरा मोहल्ला मलबे में दफन है।श आसपास के मकान ढह चुके हैं, बिजली–पानी ठप है और सड़कें कब्रिस्तान सी लग रही हैं। इन सब के बीच इजरायली फोर्स ने पाकिस्तान के सीनेटर मुश्ताक अहमद को गिरफ्तार कर लिया है। जिससे इजरायल और पाकिस्तान आमने सामने आ सकते हैं। टाइम्स ऑफ इज़राइल की रिपोर्ट के अनुसार, इज़राइली बलों ने गाजा जा रहे ग्लोबल सुमुद फ्लोटिला को रोक लिया और स्वीडिश जलवायु कार्यकर्ता ग्रेटा थुनबर्ग सहित कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया था। ग्लोबल सुमुद फ्लोटिला, लगभग 50 छोटे जहाजों से बना है, जिसमें लगभग 500 लोग, राजनेता और कार्यकर्ता सवार हैं, और यह गाजा के घेरे में फंसे फ़िलिस्तीनियों के लिए प्रतीकात्मक मात्रा में मानवीय सहायता, मुख्यतः भोजन और दवाइयाँ, ले जा रहा है। यह फ्लोटिला पिछले महीने स्पेन से रवाना हुआ था, जिसका उद्देश्य गाजा पर इज़राइल की नाकाबंदी को तोड़ना और इज़राइल के सैन्य आक्रमण के कारण भुखमरी से तबाह हुए क्षेत्र में तत्काल मानवीय सहायता पहुँचाना था। हालांकि, इज़राइली विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि कई जहाजों को रोक दिया गया है और उनके यात्रियों को एक इज़राइली बंदरगाह पर स्थानांतरित किया गया। मंत्रालय ने एक्स पर कहा कि हमास–सुमुद फ्लोटिला के कई जहाजों को पहले ही सुरक्षित रूप से रोक लिया गया है और उनके यात्रियों को एक इज़राइली बंदरगाह पर स्थानांतरित किया जा रहा है। ग्रेटा और उनके दोस्त सुरक्षित और स्वस्थ हैं।

भारत से रिश्ते सुधारने में लगे ट्रंप, अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने की जयशंकर ने मुलाकात

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को भारत में अमेरिका के मनोनीत राजदूत सर्जियो गोर से मुलाकात की, जो सीनेट द्वारा उनकी नियुक्ति की पुष्टि के बाद छह दिवसीय नई दिल्ली यात्रा पर हैं। जयशंकर ने एक्स पर पोस्ट किया आज नई दिल्ली में अमेरिका के राजदूत–पदनामित सर्जियो गोर से मिलकर प्रसन्नता हुई। भारत–अमेरिका संबंधों और इसके वैश्विक महत्व पर चर्चा हुई। उन्हें उनकी नई ज़िम्मेदारी के लिए शुभकामनाएँ। अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, 9 से 14 अक्टूबर तक चलने वाली इस यात्रा के दौरान गोर के साथ प्रबंधन एवं संसाधन उप–सचिव माइकल जे. रिगास भी मौजूद रहेंगे। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब भारत और अमेरिका रणनीतिक और व्यापारिक संबंधों को मज़बूत करने के लिए काम कर रहे हैं। दोनों पक्ष एक व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने और प्रौद्योगिकी एवं रक्षा क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के तरीके तलाश रहे हैं। अमेरिकी दूतावास के अनुसार, हाल ही में भारत पहुँचे गोर बाद में औपचारिक रूप से अपना परिचय पत्र प्रस्तुत करेंगे। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने भी शनिवार को गोर से मुलाकात की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साझा किया विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने आज भारत में अमेरिका के मनोनीत राजदूत सर्जियो गोर से मुलाकात की। उनके बीच भारत–अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी और इसकी साझा प्राथमिकताओं पर उपयोगी बातचीत

हुई। विदेश सचिव ने मनोनीत राजदूत गोर को उनके कार्यभार के लिए शुभकामनाएं दीं। इससे पहले, जयशंकर ने 24 सितंबर को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) सत्र के दौरान गोर से मुलाकात की थी, जहाँ दोनों नेताओं ने भारत–अमेरिका रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने पर चर्चा की थी। मुलाकात के बाद, अमेरिकी विदेश विभाग ने एक्स पर साझा किया, दक्षिण और मध्य एशिया के लिए अमेरिका के विशेष दूत और भारत में राजदूत नामित सर्जियो गोर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान भारत के विदेश मंत्री जयशंकर से मुलाकात की। वे अमेरिका–भारत संबंधों की सफलता को और बढ़ावा देने के लिए तत्पर हैं।

व्हाइट हाउस ने नोबेल समिति की आलोचना की, कहा: राजनीति को शांति से ऊपर रखा

व्हाइट हाउस ने नोबेल शांति पुरस्कार समिति की आलोचना करते हुए उस पर वैश्विक शांति में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के योगदान को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। ट्रंप विभिन्न असत्यापित दावों के आधार पर इस सम्मान को पाने की कोशिश करते रहे हैं, जिनमें भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव कम करने का दावा भी शामिल है। व्हाइट हाउस अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक निवास और कार्यालय है। व्हाइट हाउस के संचार निदेशक स्टीवन चेउंग ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, नोबेल समिति ने साबित कर दिया है कि वे राजनीति को शांति से अधिक प्राथमिकता देते हैं। यह बात वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो को 2025 के नोबेल शांति पुरस्कार का विजेता घोषित किए जाने के कुछ घंटों बाद कही गई।

अमेरिका में विस्फोटक प्लांट में महाविस्फोट, 19 लोग हुए लापता, 24 किमी दूर तक महसूस हुए झटके

अमेरिका में टेनेसी के एक ग्रामीण क्षेत्र में विस्फोटकों के एक संयंत्र में शुक्रवार को विस्फोट होने के बाद से कम से कम 19 लोग लापता हैं जिनके मारे जाने की आशंका है। टेनेसी में गोला–बारूद संयंत्र में हुए विस्फोट के सटीक कारण के बारे में अभी भी सवाल बने हुए हैं, क्योंकि 19 लोग अभी भी लापता हैं और कम से कम चार लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को टेनेसी के एक विस्फोटक कारखाने में हुए भीषण विस्फोट में एक इमारत ध्वस्त हो गई, जिसमें अठारह लोग मारे गए या लापता हैं। यह ष्बड़े पैमाने पर विस्फोटष् इतना ज़बरदस्त था कि मीलों दूर तक के घर हिल गए। सैन्य और विध्वंस विस्फोटक बनाने वाली कंपनी एक्यूरेट एनर्जेटिक सिस्टम्स में तड़के हुए विस्फोट से एक बड़े इलाके में जला हुआ मलबा और क्षतिग्रस्त वाहन बिखर गए। विस्फोट का असर 15 मील दूर तक महसूस किया गया और मलबा आधे वर्ग मील से ज़्यादा दूर तक बिखर गया। हम्फ्रेज काउंटी के शेरिफ क्रिस डेविस ने सेना के लिए विस्फोटकों की आपूर्ति और शोध करने वाली कंपनी 'एक्यूरेट एनर्जेटिक सिस्टम्स' में हुए विस्फोट की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह बेहद भयावह और दिल दहला देने वाला दृश्य है। डेविस ने कहा कि वह इस त्रासदी से प्रभावित तीन परिवारों को जानते हैं। उन्होंने कहा कि कई लोग मारे गए। हालांकि उन्होंने मृतक संख्या नहीं बताई। उन्होंने 19 लापता लोगों को ''आत्मा'' कहकर संबोधित किया। उन्होंने बताया कि विस्फोट सुबह लगभग पौने आठ बजे हुआ। फुटेज में पहाड़ी स्थान पर स्थित कंपनी परिसर सुलगता दिख रहा था। उन्होंने बताया कि मलबा कम से कम आधा मील के क्षेत्र में बिखरा हुआ था और 15 मील (24.1 किलोमीटर) से भी अधिक दूर तक लोगों ने विस्फोट के झटके महसूस किया। कंपनी की वेबसाइट के अनुसार, वह नैशविले से लगभग 60 मील (97 किलोमीटर) दक्षिण–पश्चिम में बक्सनॉर्ट क्षेत्र में विस्फोटक और गोला–बारूद का प्रसंस्करण करती है। यह अभी तक पता नहीं चल पाया है कि इस कारखाने में कितने लोग काम करते थे या विस्फोट के समय कितने लोग वहां मौजूद थे।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।